NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विज़डम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

लखनऊ से प्रकाशित

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 14 अंक: 114 लखनऊ, मंगलवार 10 दिसंबर 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

हमारा राष्ट्र और धर्म सुरक्षित है तभी हम भी सुरक्षित रहेंगे: योगी आदित्यनाथ

पीएम मोदी के कार्यकाल में वाराणसी में हुए विकास कार्यो का जिक्र करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आप देख रहे होगे कि आज काशी एक नई काशी है. प्रधानमंत्री मोदी ने 10 वर्षो में काशी को चमका दिया है। आज काशी में नमो घाट है। देश ही नहीं दुनिया का सबसे बड़ा घाट है, जहां हेलीपैड भी है।

लखनऊ 07 दिसम्बर (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 7 दिसम्बर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एक बार फिर आक्रामक लहजा अपनाते हुए कहा जब तक हमारे धर्म सुरक्षित है, तभी तक हम भी सुरक्षित हैं। योगी यहां स्वर्वेद महामंदिर धाम में आयोजित विहंगम योग संत–समाज की स्थापना के शताब्दी समारोह महोत्सव में शामिल होने के लिये आये थे। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा, श्हर काम देश के नाम होना चाहिए, हमारा कोई व्यक्तिगत अस्तित्व नहीं है। यदि हमारा राष्ट्र सुरक्षित है, तो हमारा धर्म भी सुरक्षित रहेगा, यदि हमारा धर्म सुरक्षित है तो हम भी सुरक्षित रहेंगे। योगी आदित्यनाथ ने शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह देश गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा हुआ था। गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए अपनी आध्यात्मिक साधना के साथ–साथ सदगुरु सदाफल महाराज ने आजादी के आंदोलन में बढ़–चढ़कर भाग लिया। योगी ने कहा, श्अकेले चुपचाप नहीं बैठ जाना है। एक कार्य पूरा हुआ तो अगले कार्य की शुरुआत कर देनी है, लेकिन हर कार्य देश के नाम, सनातन धर्म के नाम पर होना चाहिए। एक सच्चा संत देश और समाज की परिस्थितियों से हाथ पर हाथ रखकर चुपचाप बैठा नहीं रह सकता है।'इसी के साथ 13 जनवरी से प्रयागराज में प्रारम्भ होने जा रहे महाकुंभ का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि एक कुंभ यहां पर है, तो दूसरा महाकुंभ प्रयागराज में 13 जनवरी से प्रारंभ होने वाला है। प्रयागराज महाकुंभ को सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दिला दी है। यही नहीं यह वर्ष हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 22 जनवरी, 2024 को 500 वर्षों का इंतजार समाप्त करते हुए अयोध्या में भव्य मंदिर में रामलला फिर से विराजमान हुए हैं। पीएम मोदी के कार्यकाल में वाराणसी में हुए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आप देख रहे होंगे कि आज काशी एक नई काशी है। प्रधानमंत्री मोदी ने 10 वर्षों में काशी को चमका दिया है। आज काशी में नमो घाट है। देश ही नहीं दुनिया का सबसे बड़ा घाट है, जहां हेलीपैड भी है। काशी में देव मंदिरों का कायाकल्प हुआ है। इंफ्रास्ट्रक्चर के कार्य– चाहे सड़क, रेल और वायु सेवा की कनेक्टिविटी हो, जो 2014 से पहले था उससे 100 गुना बेहतर अब है। अब काशी से हल्दिया के बीच जलमार्ग का उपयोग करते हुए भी अपनी यात्रा को आगे बढ़ा सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सैनिकों की वीरता की सराहना की

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''उनकी बहादुरी हमें प्रेरित करती है, उनका बलिदान हमें विनम्र बनाता है और उनका समर्पण हमें सुरक्षित रखता है। आइये हम सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष में योगदान भी दें।

नई दिल्ली 07 दिसम्बर (एजेंसी)प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर शनिवार को कहा कि सैनिकों की ''वीरता हमें प्रेरित करती है, उनका बलिदान हमें विनम्र बनाता है और उनका समर्पण हमें सुरक्षित रखता है।''सशस्त्र सेना झंडा दिवस भारत के सशस्त्र बलों के सैनिकों और भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित करने के लिए समर्पित है। यह 1949 से हर साल इस दिन मनाया जाता है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सशस्त्र सेना झंडा दिवस हमारे साहसी सैनिकों की वीरता, दृढ़ संकल्प और बलिदान को सलाम करने के लिए है।''प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''उनकी बहादुरी हमें प्रेरित करती है उनका बलिदान हमें विनम्र बनाता है और उनका समर्पण हमें सुरक्षित रखता है। आइये हम सशस्त्र बल झंडा दिवस कोा मेंयोगदान भी दें।

आरोप लगाने का कोई मतलब नहीं, कोर्ट जाएं, EVM को लेकर आदित्य ठाकरे के बयान पर अजित पवार का पलटवार

07 दिसम्बर (एजेंसी) महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राकांपा प्रमुख अजित पवार ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की वैधता पर सवाल उठाने वाले शिवसेना यूबीटी

आदित्य ठाकरे के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि अगर विपक्ष को कोई चिंता है तो उन्हें चुनाव आयोग या अदालतों से संपर्क करना चाहिए। नवनियुक्त विधायक अजित पवार ने कहा कि यहां इस तरह के आरोप लगाने का कोई मतलब नहीं है। उन्हें (विपक्ष को) चुनाव आयोग के पास जाना चाहिए और अगर उन्हें वहां न्याय नहीं मिलता है, तो उन्हें अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए।

यह तब आया है जब शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने घोषणा की कि पार्टी के विजेता विधायक महाराष्ट्र विधानसभा के चल रहे विशेष सत्र के दौरान शनिवार को पद की शपथ नहीं लेंगे। ठाकरे ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की वैधता पर संदेह जताया। आदित्य ठाकरे ने कहा कि आज हमने फैसला किया है कि हमारे (शिवसेना यूबीटी) जीते हुए विधायक शपथ नहीं लेंगे. यदि यह जनता का जनादेश होता तो लोग खुश होते और इसका जश्न मनाते। हालाँकि, जनता की ओर से ऐसा कोई जश्न या उत्साह नहीं था। हमें ईवीएम पर संदेह है। शिव सेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ विधान भवन परिसर में शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि दी। महाराष्ट्र विधानसभा का तीन दिवसीय विशेष सत्र चल रहा है। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी को बड़ा झटका देते हुए समाजवादी पार्टी ने गठबंधन से बाहर निकलने का फैसला किया है। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी ने हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद गठबंधन से बाहर रहने का फैसला किया है।

परजीवी पार्टी बन गई है कांग्रेस, महिलाओं, युवाओं और किसानों को दिया धोखा, जेपी नड्डा का आरोप

नड्डा ने कहा कि मैं बताना चाहता हूं कि कांग्रेस और भाजपा के बीच अंतर यह है कि कांग्रेस सट्टा यूपीभोग में लिप्त रहती है, जबकि भाजपा सट्टा यूपीयोग के माध्यम से लोगों का कल्याण सुनिश्चित करती है।

नई दिल्ली 07 दिसम्बर (एजेंसी)तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के एक साल के शासन की विफलताओं पर प्रकाश डालते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं ने जनजागरण के अपने प्रयासों से कांग्रेस के विश्वासघात को उजागर किया है। उन्होंने एक सफल अभियान चलाया है। इसके लिए मैं तेलंगाना इकाई को धन्यवाद और बधाई देता हूं। उन्होंने दावा किया कि एकमात्र राजनीतिक दल जो तेलंगाना के लिए उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेगा, जो देश के लिए उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेगा, जिस पर लोगों को विश्वास होना चाहिए, वह भारतीय जनता पार्टी है।

नड्डा ने कहा कि मैं बताना चाहता हूं कि कांग्रेस और भाजपा के बीच अंतर यह है कि कांग्रेस सट्टा यूपीभोग में लिप्त रहती है, जबकि भाजपा सट्टा यूपीयोग के माध्यम से लोगों का कल्याण सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि हम यहां आपके विकास के लिए हैं और वे यहां अपने स्वार्थों को पूरा करने के लिए हैं। मोदी जी को लगातार तीसरी बार सत्ता में लाना यह बताता है कि भाजपा ने देश भर में अपने प्रति किस विश्वास को विकसित किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस आज परजीवी पार्टी बन गई है और खास बात ये है कि ये (कांग्रेस पार्टी) जिसके साथ खड़ी होती है उसको भी डुबो देती है।नड्डा ने कहा कि चाहे हिमाचल प्रदेश हो या कर्नाटक, कांग्रेस पार्टी कहीं भी अपने वादे पूरे करने में विफल रही है। उन्होंने महिलाओं, युवाओं और किसानों को धोखा दिया है। यह जानकर निराशा होती है कि ऑटो चालकों को सालाना 12,000 रुपये देने का वादा किया गया था, लेकिन यह वादा अधूरा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपनी कपटपूर्ण रणनीति के लिए कुख्यात है। यह खोखले वादे करता है, बाद में किसी भी जिम्मेदारी से इनकार कर देता है। वे अपनी जादुई चालों के लिए जाने जाते हैं कबूतरों, अंडों या मुर्गियों को कहीं से भी बाहर निकाल लेते हैं बाद में दावा करते हैं कि यह वादा कभी अस्तित्व में ही नहीं था। रेवंत रेड्डी बिल्कुल यही करते हैं।उन्होंने कहा कि अगर कोई शख्स लगातार तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बना है तो वो हैं नरेंद्र मोदी। जब जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री बने तो उस समय पूरे विश्व और देश में कांग्रेस का उत्साह था, विपक्षी दल कमजोर थे, लेकिन जब नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो विपक्षी दल साथ थे पूरी ताकत से, लेकिन भारत की जनता ने मोदी जी का साथ दिया और इसलिए हमें कांग्रेस और भाजपा की कार्य संस्कृति के अंत को समझना होगा। नड्डा ने कहा कि 70 साल तक हमने सत्ता विरोधी लहर के बारे में सुना, सरकारें आईं और गईं लेकिन मोदी जी के आने के बाद, भारत ने सत्ता समर्थक सरकार देखी। अब जब भाजपा की सरकार आती है तो वह एक बार नहीं, कई बार जनता की सेवा करती है। यही भाजपा की संस्कृति है।

आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा, जानें डीके शिवकुमार ने क्या कहा

विधान सौदा में सीओवीआईडी घ्घ्घ्–19 अनियमितताओं पर कैबिनेट उप–समिति की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, शिवकुमार ने कहा कि सरकार को न्यायमूर्ति कुन्हा समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट मिल गई है और इसके निष्कर्षों को संबोधित करने के लिए कदम उठा रही है।

नई दिल्ली 07 दिसम्बर (एजेंसी)कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पिछली भाजपा सरकार के दौरान सीओवीआईडी घ्घ्घ्–19 घोटाले में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है, और जोर देकर कहा है कि अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। विधान सौदा में सीओवीआईडी घ्घ्घ्–19 अनियमितताओं पर कैबिनेट उप–समिति की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, शिवकुमार ने कहा कि सरकार को न्यायमूर्ति कुन्हा समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट मिल गई है और इसके निष्कर्षों को संबोधित करने के लिए कदम उठा रही है। शिवकुमार ने कहा, हम रिपोर्ट की समीक्षा कर रहे हैं और अधिकारियों को कानूनी ढांचे के भीतर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।उन्होंने कहा कि समिति ने कुछ मामलों में अधिकारियों से पूछताछ करने और आपराधिक शिकायत दर्ज करने की सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि हमें अभी भी मामलों की सटीक संख्या निर्धारित नहीं करनी है, लेकिन जिम्मेदार लोगों को कानून का सामना करना पड़ेगा। शिवकुमार ने महामारी के दौरान ऑक्सीजन की कमी के कारण चामराजनगर अस्पताल में 36 लोगों की मौत पर भी बात की और समिति के इस निष्कर्ष को खारिज कर दिया कि इसमें कोई मानवीय त्रुटि शामिल नहीं थी। हमारी सरकार इस निष्कर्ष से असहमत है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और मैंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और स्थिति का आकलन किया। पिछले मंत्री ने दावा किया था कि केवल तीन मौतें ऑक्सीजन की कमी के कारण हुईं, लेकिन हम जांच फिर से खोलेंगे।सीओवीआईडी घ्घ्घ्–19 परीक्षण में वित्तीय अनियमितताओं पर प्रकाश डालते हुए, शिवकुमार ने चौंकाने वाले आंकड़ों का हवाला दिया। अकेले बेंगलुरु शहर में 502 करोड़ रुपये की लागत से 84 लाख आरटी–पीसीआर परीक्षण किए गए। किदवई अस्पताल ने 24 लाख परीक्षण किए और 146 करोड़ रुपये का बिल बनाया। इन आंकड़ों को सत्यापित करने की आवश्यकता है। हमने अधिकारियों को जांच के लिए खुली छूट दी है।

राजनाथ सिंह ने लोगों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान देने का आह्वान किया

नयी दिल्ली 07 दिसम्बर (एजेंसी) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोगों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान देने

का आग्रह किया और इसे सैनिकों के कल्याण को सुनिश्चित करने की सामूहिक जिम्मेदारी बताया। सशस्त्र सेना झंडा दिवस हर साल सात दिसंबर को मनाया जाता है, ताकि सीमा पर वीरतापूर्वक लड़ने वाले शहीदों और जवानों को सम्मानित किया जा सके। सिंह ने 'एक्स' पर एक वीडियो संदेश में कहा कि यह नागरिकों के लिए सैनिकों के अदम्य साहस, बलिदान और समर्पण को पहचानने और 'बहादुरों' के प्रति जिम्मेदारियों को पूरा करने के संकल्प की पुष्टि करने का अवसर है।उन्होंने कहा, ''हमारे सशस्त्र बल एक अभेद्य सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करते हैं, जो हर स्थिति में हमारी रक्षा करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं – न केवल बाहरी खतरों के दौरान, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी।'' उन्होंने कहा, ''हमारे सैनिकों का बलिदान और अनुशासन हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है।''पूर्व सैनिकों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए सिंह ने कहा कि पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया।

महाराष्ट्र में 'महायुति' को मिले विशाल जनादेश को लेकर जनता में कोई उत्साह नहीं दिख रहा :शरद पवार

शरद पवार ने दावा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के 23 नवंबर को आए नतीजों में भाजपा नीत 'महायुति' गठबंधन को मिली भारी जीत के बाद राज्य की जनता में कोई उत्साह या खुशी नहीं दिखाई दे रही। उन्होने कहा कि विपक्ष को चिंता करने की जरूरत नहीं है, लेकिन उसे इस झटके के बाद जनता के बीच जाना चाहिए।

कोल्हापुर07 दिसम्बर (एजेंसी) राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने दावा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के 23 नवंबर को आए नतीजों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत 'महायुति' गठबंधन को मिली भारी जीत के बाद राज्य की जनता में कोई उत्साह या खुशी नहीं दिखाई दे रही। पवार ने पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्ष को चिंता करने की जरूरत नहीं है, लेकिन उसे इस झटके के बाद जनता के बीच जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए)यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि सरकार अपने सभी चुनाव पूर्व वादों पर अमल करे, जिनमें 'लाडकी बहिन'योजना के तहत महिलाओं को हर माह वित्तीय सहायता 1,500 रुपये से बढ़ाकर 2,100 रुपये करना शामिल है। राजनीति में दशकों का अनुभव रखने वाले पवार ने कहा, ''महायुति को मिले भारी जनादेश के बाद लोगों में कोई उत्साह नहीं दिख रहा है।''पवार नीत पार्टी 288 सदस्यीय विधानसभा में केवल 10 सीट पर विजयी हुई है। शरद पवार ने सपा नेता अबू आजमी के एमवीए छोड़ने की घोषणा को लेकर सवाल पर कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) का केंद्रीय नेतृत्व विपक्षी एकता पर अडिग है। सपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष आजमी ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (उबाठा) के कारण एमवीए से अलग हो रही है क्योंकि ठाकरे के करीबी ने दिसंबर 1992 में बाबरी मस्जिद को ढहाने वालों की प्रशंसा की है।

किसानों के दिल्ली चलो विरोध मार्च पर बोले पंजाब के मंत्री

पंजाब 07 दिसम्बर (एजेंसी)पंजाब की सामाजिक न्याय मंत्री बलजीत कौर ने शनिवार को किसानों के चल रहे शदिल्ली चलोश विरोध मार्च के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए इसकी आलोचना की और इस बात पर जोर दिया कि किसानों की मांग सीधे केंद्र में है, राज्य में नहीं। एएनआई से बात करते हुए कौर ने कहा, शकिसानों की सभी मांगें केंद्र सरकार से संबंधित हैं, राज्य सरकार से नहीं।श पंजाब के किसानों ने मुआवजे और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी की मांग को लेकर संभू सीमा पर विरोध प्रदर्शन की एक नई लहर शुरू कर दी है।बलजीत कौर ने अपने किसानों के समर्थन के लिए पंजाब के प्रयासों पर प्रकाश डाला और केंद्र सरकार से उनकी शिकायतों का समाधान करने का आह्वान किया। कौर ने कहा कि पंजाब एक कृषि समृद्ध राज्य है और केंद्र सरकार को किसानों की मांगों पर विचार करना चाहिए। पंजाब ने किसानों को मदद प्रदान करने की पूरी कोशिश की है। इससे पहले दिन में, भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि किसानों को अपनी जरूरतों को रखने के लिए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलना चाहिए।खंडेलवाल ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि हमारे देश में किसानों का सबसे ज्यादा सम्मान किसी ने किया है तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

श्री कृष्ण जन्म स्थान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई शीतकालीन सत्र के बाद होगी अगली सुनवाई

मथुरा ৳ श्री कृष्ण जन्म भूमि मंदिर का केस लड़ रहे हिंदूवादी नेता दिनेश शर्मा फलाहारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मुस्लिम पक्ष ने हाई कोर्ट के फैसलों को सुप्रीम कोर्ट में चौलेंज किया है उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पक्ष ने दलील दी है कि सभी 18 मुकदमों को सुनवाइ योग्य मान लिया गया है। हाई कोर्ट ने वर्ष 1991 को प्रभावी नहीं माना है, मुस्लिम पक्ष का कहना है कि यह सभी मुकदमे सुनवाई योग्य नहीं है,इनको खारिज किया जाए, जबकि हिंदू पक्ष की की मांग है कि इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा लगातार 4 महीने बहस सुनने के बाद में यह ऐतिहासिक निर्णय दिया है।इसको मुस्लिम पक्ष को भी मानना चाहिए, दिनेश शर्मा फलाहारी ने कहा कि मुस्लिम पक्ष के पास में कोई भी प्राचीन साक्ष्य नहीं है जिसको वह न्यायालय दिखा सके,जबकि हिंदू पक्ष ने सभी प्राचीन साक्ष्यों की कॉपी न्यायालय में जमा कर दी है, दिनेश शर्मा ने कहा कि हिंदू पक्ष के पास में जितने भी प्राचीन साक्ष्य थे,जैसे खसरा खतौनी की नकल,पुरानी खोवट की नकल,नगर निगम का एसेसमेंट, रेलवे का मुआवजा, बिजली का बिल,पानी का बिल, जमीन की रजिस्ट्री की फोटोकॉपी आदि सभी न्यायालय में जमा कर दी है। न्यायालय ने लगातार वरशिप एक्ट 1991,वक्फ बोर्ड एक्ट और लिमिटेशन एक्ट पर दोनों पक्षों को सुना, सुनने के बाद में ऐतिहासिक निर्णय दिया था कि यह सभी मुकदमे सुनवाई योग्य हैं, उन्होंने कहा कि मुस्लिम पक्ष पर कोई भी साक्ष्य नहीं है जिससे वह यह साबित कर सके कि यहां मस्जिद पहले बनी थी, वह केवल मामले को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है, उन्होंने कहा कि मुस्लिम पक्ष चाहता है कि मामला लंबा खिंचे और और मुस्लिम इस केस को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट में हिंदू पक्ष और मुस्लिम पक्ष की तरफ से अधिवक्ताओं ने बहस की, माननीय न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष से पूछा कि आप सीधे सुप्रीम कोर्ट कैसे आ सकते हैं, इस पर मुस्लिम पक्ष अधिवक्ता ने अपना पक्ष रखा, न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष को सुनने के बाद अगली सुनवाई के लिए शीतकालीन सत्र मेँ सुनने के लिए कह दिया।अब श्री कृष्ण जन्म स्थान मामले की सुनवाई शीतकालीन सत्र के बाद होगी। कमिश्नर,राष्ट्रीय मंत्री डॉ जमुना देवी शर्मा, महानगर अध्यक्ष नरेश ठाकुर, प्रदेश महामंत्री राजेश गौतम, विश्व हिंदू परिषद के नेता जयराम शर्मा, जिला मंत्री किशोरी लाल क्रांति ब्रज मंडल

इस मौके पर राष्ट्रीय संरक्षक वेद प्रकाश कटियार रिटायर्ड चतुर्वेदी,प्रदेश मंत्री मीना गुप्ता, जिला अध्यक्ष गुंजन शर्मा, राहुल महामंत्री दिव्य शक्ति अखाड़ा राजेश पाठक, हरिओम वर्मा,ठाकुर सूरजमल, उर्फ चंद्रपाल आदि मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री से की भेंट, महाकुंभ में आने का दिया निमंतण

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को विजयवाड़ा में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्र बाबू नायडू से आत्मीय भेंटकर महाकुम्भ–2025 के भव्य आयोजन में सम्मिलित होने के लिए निमंत्रण दिया। उप मुख्यमंत्री ने विजयवाड़ा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से विधायक व पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री वाई. एस. चौध (सुजाना चौध) से उनके आवास पर भेंट कर प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में आगमन के लिए निमंत्रित किया।

महाकुंभ में आने के लिए उप मुख्यमंत्री ने वहां रोड शो किया और वहां के लोगों को महाकुंभ की महत्ता व महत्व के बारे में जानका देते हुए उन्हें महाकुंभ में सम्मिलित होने की अपील की।इस दौरान विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह जी भी मौजूद रहे। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में यूपी के पूर्व कैबिनेट मंत्री व वर्तमान विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह जी के साथ मा0 जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों के साथ बैठक को संबोधित कर प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ 2025 के लिए औपचारिक निमंत्रण दिया। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि महाकुंभ 2025 में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए बहुत ही उच्च कोटि की व्यवस्थाएं की गई हैं। प्रयागराज में अलग–अलग राज्योंसे आने वाले भारतीय श्रद्धालुओं और विदेशी पर्यटकों की राह आसान होगी। बताया कि सभी भारतीय भाषाओं के अलावा छह विदेशी भाषाओं में भी साइनेज लगाए जाएंगे। इससे संबंधित प्रमुख स्थलों, मार्गों को जानने में किसी तरह की परेशानी न होने पाए, इसलिए भाषा के स्तर पर भी कई कदम उठाए गए हैं। महाकुंभ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाकुम्भ– भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक चेतना का स्पंदन है। 'एक भारत– श्रेष्ठ भारत–समावेशी भारत' की दिब्य और जीवंत झांकी है। सभी से अनुरोध किया कि महाकुंभ में अवश्य आयें और आस्था के संगम में डुबकी लगायें।

उप मुख्यमंत्री ने आंध्र प्रदेश के अमरावती स्थित अमरलिंगेश्वर स्वामी मंदिर में देवाधिदेव महादेव भगवान शिव जी के दर्शन और पूजन किया व भगवान शिव से सभी के सर्व कल्याण की प्रार्थना की।अमरावती में भगवान बुद्ध के प्राचीन स्तूप और भव्य प्रतिमा के दर्शन करते हुए कहा कि मौर्य साम्राज्य की विशाल सीमाओं और गौरवशाली विरासत को साक्षात देखकर मन आनंद से भर गया।जो बातें केवल किताबों में पढ़ीं थीं, आज उन्हें अपनी आँखों से देखना अद्भुत और अलौकिक अनुभव रहा।कहा कि यह पवित्र स्थल न केवल सम्राट अशोक की बौद्ध धर्म के प्रति अटूट निष्ठा का प्रमाण है, बल्कि मौर्य वंश की शक्ति, सांस्कृतिक समृद्धि और धर्म के प्रचार–प्रसार का प्रतीक भी है।अमरावती स्तूप ने भारतीय स्थापत्य, धर्म और इतिहास को अमर बना दिया है।ऐसे स्थलों पर आकर भारतीय होने पर गर्व होता है।उप मुख्यमंत्री ने आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा स्थित कनक दुर्गा मंदिर में पूर्व कैबिनेट मंत्री व वर्तमान विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह जी के साथ माता दुर्गा जी के दर्शन और पूजन किया व माता दुर्गा जी से देश एवं प्रदेश वासियों के सर्वमंगल की कामना की। इससे पूर्व उन्होंने मातृभूमि की रक्षा हेतु सदैव तत्पर रहने वाले भारतीय सेना के जवानों को सशस्त्र सेना झंडा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि आइए, हम सब लोग ,देश की सेवा में समर्पित सभी वीर सैनिकों के अविस्मरणीय बलिदान एवं उनकी अतुल्य सेवाओं के प्रति कृतज्ञ होकर उन्हें नमन करें।

सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र में हुआ वार्षिक निरीक्षण

प्रयागराज।विद्या भारती की योजना अनुसार प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 6,7 एवं 8 दिसंबर 2024 को विद्यालय के वार्षिक निरीक्षण कार्यक्रम तय हुआ, जिसमें सरस्वती विद्या मंदिर खड़िया सोनभद्र से प्रधानाचार्य राजीव कुमार के नेतृत्व में उनकी टोली के बंधुओ नरसिंह जी अंग्रेजी के प्रवक्ता, श्री प्रभुनाथ की विज्ञान के प्रवक्ता एवं चंद्र मोहन पांडे

जी कार्यालय प्रमुख ने विद्यालय का तीन दिवसीय बारीकी से निरीक्षण किया, इस निरीक्षण के अंतर्गत विद्यालय की प्रार्थना सत्र मध्यावकाश , वंदे मातरम, कक्षा कक्षा का निरीक्षण ,पंजीयों का रखरखाव, विभिन्न विभागों की व्यवस्था, आचार्य का दायित्व, विद्यालय में छात्र सांसद, कन्या भारती की सक्रियता, भौतिक ,रसायन एवं जीव विज्ञान की प्रयोगशालाएं सहित सभी बिंदुओं का सूचना अवलोकन किया ৳ विद्यालय की प्रधानाचार्य श्री अजय कुमार मिश्र ने प्रार्थना सत्र में अतिथियों का परिचय कराया ,उपयुक्त निरीक्षण में विद्यालय के सभी सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने अपने–अपने कर्तव्य एवं दायित्व का सत्य प्रतिशत निर्वाह किया ৳

सी.एम.एस. कैम्ब्रिज टीम 'बेस्ट इन साउथ एशिया–2024' अवार्ड से सम्मानित

लखनऊ, 9 दिसम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर एक्सटेंशन कैम्पस के कैम्ब्रिज सेक्शन की छः सदस्यीय छात्र टीम ने कैम्ब्रिज इण्टरनेशनल साइंस कम्पटीशन में 'बेस्ट इन साउथ एशिया–2024' अवार्ड अर्जित कर विश्व पटल पर लखनऊ का गौरव बढ़ाया है। सम्मानित होने वाली सी.एम.एस. कैम्ब्रिज सेक्शन की इस छात्र टीम में अद्रिति शर्मा, कार्तिक अरोड़ा, तेजस्वी त्रिपाठी, मोहम्मद माही, व्याप्ती एवं अतुल्य त्रिपाठी शामिल हैं। सी.एम.एस. कैम्ब्रिज सेक्शन के इन छात्रों को यह

सम्मान उनके विज्ञान प्रोजेक्ट 'अनवेलिंग वाटर क्वालिटी – ए रिगोरस एक्जामिनेशन ऑफ गोमती रिवर पोटेबिलिटी पैरामीटर्स इन लखनऊ रीजन' हेतु प्रदान किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य गोमती नदी के पानी में प्रदूषण और पीने योग्य पानी की समस्या जैसे गंभीर मुद्दों का समाधान करना था, जिसमें सी.एम.एस. छात्रों ने अपने गहन वैज्ञानिक विश्लेषण, अनुसंधान एवं शोध के आधार पर पीने योग्य पानी की गुणवत्ता से जुड़े वैश्विक मुद्दे का रचनात्मक समाधान प्रस्तुत किया है। कैम्ब्रिज इण्टरनेशनल एसेसमेन्ट एजुकेशन, लंदन के निर्णायक मंडल ने सी.एम.एस. छात्रों के प्रोजेक्ट की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए कहा है कि सी.एम.एस. छात्र टीम ने एक ऐसे स्थानीय मुद्दे की पहचान की है, जो अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रासंगिक है। सी.एम.एस. छात्रों की यह परियोजना पानी की गुणवत्ता से जुड़े विभिन्न हितधारकों के साथ ही सरकारी निकायों के लिए भी एक उपयोगी संसाधन बन सकती है।सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस वैश्विक उपलब्धि हेतु सी.एम.एस. छात्रों की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है,साथ ही विद्यालय की प्रधानाचार्या व शिक्षकों का आभार व्यक्त किया है।

भाजपा सरकार के एजेंडा में नौकरी और रोजगार नहीं - अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के एजेंडा में नौकरी और रोजगार नहीं है। उत्तर प्रदेश हो या बिहार या फिर पूरा देश। जहाँ–जहाँ भाजपा की सरकारें हैं वहाँ एक सा ही पैटर्न है। कभी डबल शिफ्ट, डबल डे, तो कभी नॉर्मलाइजेशन के नाम पर, कभी सर्वर में गड़बड़ी करवाकर, कभी पेपर लीक कराकर, कभी कॉपी बदलवाकर, कभी आरक्षण मारकर, कभी रिजल्ट रोककर या कभी रिजल्ट को कोर्ट में घसीटकर भाजपा वाले नौक पाने के हर तके को फँसा देते हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की मंशा नौक देने की होती ही नहीं है, वो हर काम ठेके पर देना चाहती है, जिससे ठेकेदारों से वसूली की जा सके। भाजपा सरकार ने प्रदेश की बिजली व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपने की तैया कर ली है। कुछ पूंजी घरानों को मनमाने दामों पर बिजली देने की छूट मिल जाएगी। जनता के शोषण उत्पीड़न से भाजपा को कुछ लेना देना नहीं। भाजपा कुछ कम्पनियों को बिजली व्यवस्था सौंप देगी तो वे सरका कर्मचारियों को निकाल कर आउटसोर्सिंग से कर्मचा रखेगी। इस तरह सरका कर्मचा और संविदा कर्मी दोनों बेरोजगार हो जाएंगे।कहा कि युवाओं के हक की नौकरियाँ भाजपा के भ्रष्टाचार का शिकार हो गयी हैं। भाजपा का धीरे–धीरे सरका नौकरियों को खत्म करने के पीछे उसका छिपा हुआ एजेंडा भी है क्योंकि ठेकेदा में आरक्षण लागू नहीं होता है। यह काम केन्द्र और राज्य की दोनों सरकारें कर रही हैं। भाजपा नहीं चाहती है कि पीडीए को उसका हक और सम्मान मिले। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जाएगी तो नौक आएगी। भाजपा सरकार युवाओं नौजवानों को ठगने का काम कर रही है, झूठे वादे करती है। वैसे भी भाजपा को वादे भूल जाने की आदत है। चुनावी संकल्प पत्र के वादे उसे याद नहीं रहे। कई करोड़ नौक देने का वादा भूल गई। भाजपा सरकार, नौजवानों को नौक दे नहीं सकती हैं बाहर से कोई उद्योग यहां आना नहीं चाहता है। जो उद्योग लगे हैं वे नोटबंदी, जीएसटी की कुनीतियों के चलते बंद होने के कगार पर हैं इसलिए अब प्रदेष के युवाओं को ज्यादा वेतन का प्रलोभन देकर उन्हें इस्रायल और यूक्रेन की युद्धभूमि में भेज रही है। भाजपा अपने जनविरोधी कृत्यों के लिए सन् 2027 के चुनावों में भा कीमत चुकाने के लिए तैयार रहे।

आधी आबादी ने डीएम के सामने 'हक से रखी अपनी बात'

महिलाओं एवं बालिकाओं ने की जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह के साथ हक की बात

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)मिशन शक्ति फेज–5.0 अभियान के तहत जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में हक की बात जिलाधिकारी के साथ कार्यक्रम का आयोजन कलैक्ट्रेट सभागार मथुरा में आयोजित किया गया। इस दौरान जनपद के समस्त विभागों में कार्यरत महिला कर्मचारियों, महिला पुलिस कर्मियों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, पीड़ित महिलाओं द्वारा अपनी समस्याओं एवं अधिकारों के संबंध में जिलाधिकारी महोदय के साथ संवाद किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम में वन स्टाप सेंटर यूनिट प्रथम व द्वितीय, जिला बाल संरक्षण इकाई, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महिला एवं बच्चों के हित में कार्य कर रही संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा लगभग 30 पीड़ित महिलाओं ने प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं, बालिकाओं के प्रति होने वाले अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंसर की नीति पर कार्य कर रही है। साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न योजनाएं भी संचालित की जी रही है। अब हम 21 वीं सदी में प्रवेश कर चुके हैं। अब इस प्रकार की कुप्रथाओं का सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं है। बेटे और बेटियों में कोई अंतर नहीं है। बेटियों को भी शिक्षा बेटों के समान प्रदान करें। बेटियों को अच्छी शिक्षा तथा अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करने हेतु हमें हमेशा अग्र रहना चाहिए। प्रदेश सरकार महिला कल्याणकारी योजनाएं जैसे निराश्रित महिला पेंशन, विधवा महिलाओं के बच्चों हेतु बाल सेवा योजना (कोविड़, सामान्य), स्पॉन्सरशिप, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि संचालित हैं। जिनके माध्यम से महिलाओं, बालिकाओं को सबल और सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सकें। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं, बालिकाओं की योजनाओं से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान करना है। श्रीमती अनीता (परिवर्तित नाम) ने कहा कि उनके पति तथा ससुराल जनों द्वारा दहेज की मांग एवं उनके साथ मारपीट की जाती है। साथ ही उनके दो छोटे बच्चें हैं जिनकों ससुराल जनों ने अपने पास रख लिया है और उन्हें मुझसे मिलने नहीं दिया जाता है। उक्त के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा प्रभारी निरीक्षक महिला थाना को नियमानुसार कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। सविता (परिवर्तित नाम) ने कहा कि उनके पति 18 वर्ष पूर्व उन्हें व उनके बच्चों को छोड़कर चले गए हैं। वर्तमान में वह कहाँ है इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है। श्रीमती ललिता चौधरी (आंगनबाड़ी कार्यकत्री) ने कहा कि उन्हें आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित करने के लिए 750 रूपये प्रतिमाह दिया जाता है जो कि पर्याप्त नहीं है। इतने कम धनराशि में केन्द्र का संचालन करना सम्भव नहीं हो पा रहा है। कृपया इस संबंध में उचित कार्यवाही करने का कष्ट करें। इस के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा कहा गया कि इस समस्या का नियमानुसार समाधान करेंगे। जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चन्द्र द्वारा कहा गया कि वह पूर्ण प्रयास करेंगे कि विभाग की समस्त जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ महिलाओं, बालिकाओं को शत प्रतिशत मिले। इसके बाद जिलाधिकारी तथा कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस्क न की संस्कारशाला में बच्चों ने जाना धर्म और किया जप

श्री श्री राधारमण बिहारी, लखनऊ इस्कॉन में चल रही बच्चों की विशेष संस्कारशाला कक्षा में मंदिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभु जी की धर्मपत्नी श्रीमती अचिन्तय रूपणी माता जी के निर्देशन में आज बच्चों की विशेष आध्यात्मिक कक्षा हुई जिसमें बच्चों ने महाभारत की कहानी संक्षिप्त में समझी। साथ में बच्चों ने जाना कि धर्म क्या है और प्रणाम का अर्थ क्या होता है?साथ में सभी बच्चों ने हरे कृष्ण महामंत्र, कीर्तन और पंच तत्त्व मंत्र,श्रील प्रभुपाद का प्रणाम मंत्र सीखा ।कक्षा के अंत में सभी बच्चों ने स्वादिष्ट फ्रेंच फ्राइज, नूडल्स और मंचूरियन प्रसादम् का आनन्द लिया।

स्वर्णकार समाज का सामूहिक विवाह हुआ संपन्न ,परिणय सूत्र में बधे 23 जोड़

(मथुराध्आगरा) अखिल भारतीय स्वर्णकार जन जागृति एसोसिएशन के तत्वाधान में श्री कृष्णा गार्डन कालिंद्री बिहार आगरा में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया जिसमें 23 जोड़ों की शादियां बड़ी धूमधाम के साथ कराई गई कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गिरिराज महाराज के दुग्धा अभिषेक व महाराजा अंबरीष जी के चित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर सांस्कृकित कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ एवं समाज के समाजसेवियों का सम्मान भी किया गया। गिरिराज महाराज का दुग्ध अभिषेक प्रदीप सोनी रुपाली सोनी द्वारा किया गया। मुख्य बेटी वाले की भूमिका में जगदीश वर्मा, शकुंतला देवी रहे।इसके साथ ही कार्यक्रम का उद्घाटन मुकेश वर्मा ने किया। सभापति हजारीलाल द्वारा झंडारोहण अशोक वर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन मोहनलाल वर्मा व मंच संचालन युवा प्रदेश अध्यक्ष सौरभ वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष छगनलाल वर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद दददा, सुनील वर्मा मिढ़ाकुर वाले, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. के.के वर्मा, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अजय वर्मा प्रदेश मीडिया प्रभारी मनोज वर्मा, जिला अध्यक्ष प्रदीप वर्मा, राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश वर्मा पलसो वाले, राकेश वर्मा बेरी वाले, सुरेश चंद्र वर्मा पथवारी, गोविंद प्रसाद जौहरी, बांके बिहारी वर्मा, राजीव वर्मा, श्याम वर्मा, किशन वर्मा, कुलदीप वर्मा, अजय सोनी, माधुरी वर्मा महिला जिला अध्यक्ष, प्रियंका वर्मा, बॉबी वर्मा, शालिग्राम वटिया,प्रमोद वर्मा, मुकेश वर्मा, राजेंद्र कौशल, पूरन चंद वर्मा, संतोषी लाल वर्मा पार्षद, मीनाक्षी वर्मा, जितेंद्र वर्मा पार्षद, सहित विभिन्न प्रांतो से स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

शिव पुराण कथा से पूर्व संध्या पर निकली कलश यात्रा

लखनऊ,संवाददाता। बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से महिला सत्संग मण्डल द्वारा विश्वनाथ मन्दिर के 33वें स्थापना दिवस के मौके पर श्रीरामलीला पार्क सेक्टर–'ए' सीतापुर रोड योजना कालोनी में 8 दिसंबर से शुरू होने वाले शिव पुराण कथा व रासलीला की पूर्व संध्या पर शनिवार को कलश यात्रा निकाली गयी। यात्रा में शिव पार्वती की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। मन्दिर परिसर से शुरू हुई कलश यात्रा राम–राम बैंक चौराहा, सर्वेश्वरनाथ मन्दिर, महादेव होटल चौराहा, सेक्टर–'ए' सीतापुर रोड योजना कालोनी सहित विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए वापस विश्वनाथ मन्दिर पहुंचकर सम्पन्न हुई। कलश यात्रा में सिर पर मंगल कलश रखे महिलायें शंखनाद, ढोल नगाड़ों की धुन पर भजन–कीर्तन व भगवान के जयकारे लगाते हुये चल रही थी। वहीं ''शिव भोला कै महिमा अपार...'', षौरा दुल्हन बनके बैठी आज मेरे भोला आयेंगे..., दशरथ जी के लाल राघव दरस कब होहिये... व ''भज ले मन राम–राम–राम सियाराम...'' जैसे संकीर्तन से माहौल भक्तिमय हो गया। भक्तों ने जगह–जगह कलश यात्रा का जोरदार स्वागत किया। कलश यात्रा में कमलेश दुबे, वरुण श्याम पाण्डेय, जेएन दुबे, सावित्री सिंह, रामकुमारी सोनी, सपना शुक्ला, मिथिलेश सिंह, वीरेंद्र प्रताप सिंह, मीरा पाण्डेय, शाश्वत पाठक, कौशल किशोर पाण्डेय, शम्भू शरण वर्मा, मंजू गुप्ता, शशि निगम, जावंती दुबे, मोहन, बसंती सहित काफी संख्या में भक्तगण मौजूद थे। महिला सत्संग मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती कमलेश दुबे ने बताया कि 8 दिसंबर से 14 दिसम्बर तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक कथा व्यास आचार्य पं. गोविंद मिश्रा शिव पुराण कथा सुनायेंगे और सांय 6 बजे से 9 बजे तक वृंदावन के कलाकार रासलीला प्रस्तुत करेंगे। 15 दिसम्बर को पूर्णाहुति व विशाल भण्डारे के साथ शिव पुराण कथा का समापन होगा।

सीएम ने श्रद्धालुओं के लिए किया 25,000 बेड के सार्वजनिक आश्रय स्थल की शुरुआत

आधुनिक सुविधाओं से लैस होगे 250 बेड की क्षमता वाले सभी 100 सार्वजनिक आश्रय स्थल
सीएम योगी ने महाकुंभ मेला क्षेत्र में कंप्यूटरीकृत खोया-पाया केंद्र का भी किया उद्घाटन

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 को दिव्य और भव्य बनाने के उद्देश्य से योगी सरकार तीर्थयात्रियों की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए हरसंभव प्रयास कर रही है। योगी सरकार सर्दी के कठोर मौसम में श्रद्धालुओं के ठहराव और उनकी सुरक्षा के लिए का पूरा ध्यान रख रही है। इसी के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेला क्षेत्र में 250 बेड की क्षमता वाले 100 सार्वजनिक आश्रय स्थलों का उद्घाटन किया। इसके साथ ही, इसके साथ ही, महाकुंभ मेला क्षेत्र में कंप्यूटरीकृत खोया–पाया केंद्र की भी शुरुआत की गई।

सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ जैसे भव्य आयोजन के दौरान तीर्थयात्रियों और आगंतुकों की भारी संख्या को देखते हुए सार्वजनिक आश्रय स्थलों की आवश्यकता महत्वपूर्ण होती है। परंपरागत रूप से तीर्थयात्री और साधु–संत खुले स्थानों या परिसंचरण क्षेत्रों में समय बिताते हैं, जिससे सर्द मौसम में उनके लिए कई समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने 25,000 बेड की कुल क्षमता वाले सार्वजनिक आश्रय स्थलों की व्यवस्था की है। इन आश्रय स्थलों का उद्देश्य तीर्थयात्रियों को न केवल आरामदायक और सुरक्षित ठहराव प्रदान करना है, बल्कि उनकी यात्रा को सुलभ और सुविधाजनक भी बनाना है।

आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं सभी आश्रय स्थल

महाकुंभ के लिए तैयार किए गए सार्वजनिक आश्रय स्थलों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। इनमें प्रत्येक आश्रय स्थल पर 250 बेड की क्षमता होगी। बेड के साथ गद्दे, तकिए और साफ चादरें उपलब्ध कराई जाएंगी। पुरुष और महिलाओं के लिए अलग–अलग शौचालय और स्नानघर की व्यवस्था की गई है। इन आश्रय स्थलों में नियमित सफाई, जिसमें चादरों का परिवर्तन शामिल है, सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा, स्वच्छ पेयजल और चौबीस घंटे (24•7) सुरक्षा के प्रबंध किए गए हैं। इन सुविधाओं का उपयोग श्रद्धालु नाममात्र शुल्क पर कर सकेंगे, जिससे महाकुंभ में सभी वर्गों के लोगों को ठहरने का विकल्प मिलेगा।

श्रद्धालुओं के लिए बेहद सस्ता और सुलभ होगा सार्वजनिक आश्रय स्थल

सार्वजनिक आश्रय स्थलों के उपयोग के लिए शुल्क की व्यवस्था सरल और सुलभ रखी गई है। सामान्य दिनों में श्रद्धालुओं को पहले दिन के लिए 100 रुपये और दो दिन रुकने पर पहले दिन 100 रुपये और दूसरे दिन 200 रुपये का भुगतान करना होगा। मुख्य स्नान पर्व और उसके आसपास के दिनों में यह शुल्क पहले दिन के लिए 200 रुपये और दो दिन के ठहराव के लिए पहले दिन 200 रुपये और दूसरे दिन 400 रुपये होगा। श्रद्धालु नकद या डिजिटल माध्यम (न्ब) से भुगतान कर सकते हैं जिसके बाद उन्हें टिकट जारी किया जाएगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह पहल विशेष रूप से उन तीर्थयात्रियों के लिए है, जो होटल, गेस्ट हाउस या निजी शिविर का खर्च नहीं उठा सकते। इन सार्वजनिक आश्रय स्थलों से न केवल उनकी यात्रा किफायती बनेगी, बल्कि वे सर्द मौसम में आराम और सुरक्षा का अनुभव भी कर सकेंगे।

सीएम योगी ने महाकुंभ मेला क्षेत्र में कंप्यूटरीकृत खोया–पाया केंद्र का किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ 2025 की तैयारियों के तहत प्रयागराज मेला क्षेत्र में कंप्यूटरीकृत खोया–पाया केंद्र का उद्घाटन किया। यह केंद्र अत्याधुनिक तकनीकों से लैस होगा, जिससे श्रद्धालुओं की गुमशुदगी संबंधी समस्याओं का तुरंत समाधान किया जा सके। इस पहल से तीर्थयात्रियों को सुरक्षित और संगठित अनुभव मिलेगा।

महाकुंभ 2025 को न केवल एक धार्मिक आयोजन के रूप में बल्कि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का जीवंत प्रतीक बनाने के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे भारतवर्ष की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को विश्व स्तर पर प्रस्तुत करेगा। यह पहल सर्दी के कठोर मौसम में आने वाले तीर्थयात्रियों को सुकूनदायक और यादगार अनुभव प्रदान करेगी।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता श्नंदीश जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रयागराज के महापौर समेत, मेला अधिकारी विजय किरण आनंद एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

भारतीय मंदिरों और पुराणों की महिमा को दर्शा रहा शिवालय पार्क

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवालय पार्क का किया निरीक्षण
नैनी के अरैल में 14 करोड़ रुपए की लागत से 11 एकड़ क्षेत्र में बन रहा है शिवालय पाक

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज नगर निगम द्वारा नैनी के अरैल में बनवाए जा रहे शिवालय पार्क का निरीक्षण किया। पार्क का जायजा लेते हुए मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। शिवालय पार्क महादेव को समर्पित एक भव्य स्थल है, जो भारतीय मंदिरों और पुराणों की महिमा तथा कारीगरी को दर्शाता है। 11 एकड़ के क्षेत्र में फैला यह पार्क विविधताओं से भरपूर है, जिसमें कला, प्रकृति और मनोरंजन का संगम देखने को मिलेगा। महाकुम्भ की शोभा को बढ़ाने हेतु निर्माणाधीन इस पार्क का निर्माण 14 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है।

निर्माण कार्य में वेस्ट मटीरियल का किया जा रहा उपयोग

शिवालय पार्क को भारत के मानचित्र के आकार में डिजाइन किया गया है, जिसमें सभी प्रमुख मंदिर उनके मूल स्थानों पर ही बनाए गए हैं ताकि आगन्तुक तीर्थ यात्रा का अनुभव कर सकें। पार्क में तुलसी वन और संजीवनी वन भी बनाया गया है। बच्चों के लिए अलग जोन बनाया जा रहा है। इसके अलावा पार्क के अंदर फूड कोर्ट और रेस्त्रां भी बनाया जा रहा है । शिवालय थीम पार्क को तैयार कराने में सबसे खास बात है कि इसमें अधिकतर वेस्ट मटीरियल का प्रयोग किया जा रहा है। इसके निर्माण कार्य में जुटी कंपनी जेड टेक इंडिया लिमिटेड के पास ही तीन साल तक इसके रख रखाव की जिम्मेदारी रहेगी।

तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के स्वागत के लिए 'स्मार्ट प्रयागराज तैयार: मुख्यमंत्री योगी

परियोजनाओं का मुख्यमंत्री ने किया स्थलीय निरीक्षण
बाकी परियोजनाओं को 10 दिसंबर तक हर हाल में पूर्ण करने का दिया निर्देश

'प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम से छः दिन पूर्व शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने प्रधानमंत्री मोदी के कर कमलों से उद्घाटन होने वाली और दिव्य, भव्य एवं डिजिटल महाकुम्भ –2025 के दृष्टिगत चल रही सौंदर्यीकरण एवं अन्य परियोजनाओं का भी स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं पर संतोष व्यक्त किया और बची हुई परियोजनाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से हर हाल में 10 दिसंबर तक पूरा करने का अधिकारियों को दिशा–निर्देश दिया।मुख्यमंत्री योगी सर्किट हाउस से सीधे अरैल बंधा रोड पहुंचे, जहां उन्होंने सड़क के चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य पूर्ण होने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर महाकुम्भ में आने वाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के स्वागत के लिए 'स्मार्ट प्रयागराज तैयार है। मुख्यमंत्री योगी ने 13 दिसंबर को प्रस्तावित प्रधानमंत्री के दौरे के दृष्टिगत महाकुम्भनगर एवं प्रयागराज को उसके प्राचीन गौरव के अनुरूप सजाने का निर्देश दिया।

वहां से मुख्यमंत्री योगी ने त्रिवेणी पुष्प का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने त्रिवेणी पुष्प में बने योग एवं सांस्कृतिक केंद्र को देखा। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी को त्रिवेणी पुष्प के कायाकल्प के कार्यों की गुणवत्ता के विषय में जानकारी दी, जिस पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यों की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ–2025 प्रयाग ही नहीं समूचे उत्तर प्रदेश के लिए भारत की प्राचीन आध्यात्मिक परम्परा को वैश्विक पटल पर प्रस्तुत करने का एक अवसर है।इसके बाद मुख्यमंत्री नैनी स्थित फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट पहुंचे, जहां उन्होंने प्लांट की चल रही टैपिंग के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कोई भी ड्रेनेज और सीवर गंगा और यमुना जी में न गिरने पाए इसका विशेष ध्यान रखा जाए। सभी नालों को टैपिंग समय पर कर लें। महाकुम्भ में आने वाले तीर्थयात्री अविरल एवं निर्मल गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में स्नान करने के साथ आचमन कर पाएं, इसके लिए उत्तर प्रदेश की डबल इंजन की सरकार प्रतिबद्ध है। ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण करने बाद मुख्यमंत्री योगी ने शिवालय पार्क का स्थलीय निरीक्षण किया। 40 हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में बने इस पार्क में भारत के सभी प्राचीन शिव मंदिरों को दर्शाया गया है। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इस पार्क में सनातन संस्कृति की आध्यात्मिक परम्परा को दर्शाया गया है, महाकुम्भ में दुनिया के कोने–कोने से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह पार्क आकर्षण का केंद्र बनेगा। इसके दृष्टिगत इसकी स्वच्छता और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नंदी', जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रयागराज के महापौर समेत मेलाधिकारी विजय किरण आनंद और पुलिस के अधिकारी मौजूद थे।

महाकुम्भ के लिए प्रधानमंत्री देंगे 7000 करोड़ से अधिक का उपहार: मुख्यमंत्री

अब तक के सभी कुम्भ पर्वों से अधिक भव्य-दिव्य होगा प्रयागराज महाकुम्भ- मुख्यमंत्री
अखाड़ों-आचार्यों व संतों से लेते रहें मार्गदर्शन, उनकी अपेक्षाओं का रखें पूरा ध्यान

महाकुम्भ नगर।विश्व के सबसे बड़े आध्यत्मिक–सांस्कृतिक समागम श्प्रयागराज महाकुम्भश के औपचारिक शुभारंभ से पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रयागराज को घ्7000 करोड़ से अधिक का उपहार भेंट करने जा रहे हैं। 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री का प्रयागराज दौरा प्रस्तावित है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी पावन त्रिवेणी संगम का पूजन कर नवनिर्मित भरद्वाज आश्रम कॉरीडोर और श्रृंगवेरपुर धाम कॉरीडोर का लोकार्पण करेंगे।

शनिवार को प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 13 दिसंबर के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2019 के कुम्भ में राज्य सरकार ने अपने मद से 2406.65 करोड़ का व्यय किया था। पूरी दुनिया में इस महाआयोजन के प्रबंधन की प्रशंसा हुई थी। तीर्थयात्रियों की सुविधा और श्सनातन गर्व महाकुम्भश की महत्ता के दृष्टिगत इस बार इसे और विस्तार दिया गया है। इस वर्ष महाकुम्भ के लिए राज्य सरकार की ओर से 5496.48 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है, जबकि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अतिरिक्त 2100 करोड़ रुपये का सहयोग प्रदान किया है। बजट की कोई कमी नहीं है, इसलिए व्यवस्था में कहीं किसी प्रकार का अभाव नहीं होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विभिन्न राज्यों की ओर से महाकुम्भ में अपने शिविर स्थापित करने के अनुरोध मिल रहे हैं इस संबंध में यथोचित निर्णय तत्काल हो जाए। इसी प्रकार, महाकुंभ के दौरान ब्रह्मलीन होने वाले साधु–संतों की समाधि के लिए प्रयागराज में भूमि आरक्षित कर दी जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 2019 कुंभ में कुल 5,721 संस्थाओं का सहयोग लिया गया था, जबकि महाकुंभ में लगभग 10 हजार संस्थाएं एक उद्देश्य के साथ कार्य कर रही हैं। 4000 हेक्टेयर में विस्तारित 25 सेक्टरों में बंटे महाकुंभ मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत सभी आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। 12 किमी लंबाई के घाट, 1850 हेक्टेयर में पार्किंग, 450 किमी चकर्ड प्लेट, 30 पांटून पुल, 67 हजार स्ट्रीट लाइट, 1,50,000 शौचालय, 1,50,000 टेंट के साथ ही 25 हजार से अधिक पब्लिक एकोमडेशन की व्यवस्था की जा रही है। पौष पूर्णिमा, मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा और महाशिवरात्रि के विशेष स्नान पर्व पर सुरक्षा और सुविधा के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महाकुम्भ में हर श्रद्धालु को अविरल–निर्मल गंगा में स्नान सुलभ हो, इसके लिए राज्य सरकार संकल्पित है। नदी में जीरो डिस्चार्ज सुनिश्चित किया जा रहा है।

जारी निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सूबेदारगंज ब्रिज, हनुमान मंदिर (फेज–1) सभी चिह्नित 16 क्रिटिकल रोड से जुड़े कार्य, रिवर फ्रंट रोड, फाफामऊ–सहसो रोड, सभी 04 थीम आधारित गेट, 84 स्तंभ, मनकामेश्वर मंदिर और अलोपशंकरी मंदिर के अधूरे कार्य प्रत्येक दशा में 10 दिसंबर तक पूरे हो जाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि टाइमलाइन के दबाव में कार्य की गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए।रेलवे के प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुम्भ में आने वाले तीर्थयात्री और पर्यटक काशी और अयोध्याधाम का भी दर्शन करने जाएंगे। इसके अलावा, चित्रकूट की ओर भी बड़ी संख्या में लोगों के जाने की संभावना है। ऐसे में इन पवित्र स्थलों को कनेक्ट करते हुए ट्रेनों की उपलब्धता की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ से जुड़ी तैयारियों के लिए डेडलाइन तय करते हुए निर्देश दिया कि 10 दिसंबर तक सारे काम पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ विश्व को सनातन भारतीय संस्कृति से साक्षात्कार कराने का सुअवसर है। यह स्वच्छता, सुरक्षा और सुविधा का मानक भी होगा। सीएम योगी ने निर्देश दिया कि महाकुम्भ को देखते हुए 7000 से अधिक बसें लगाई जाएंगी। यहां डेढ़ लाख से अधिक शौचालय स्थापित किए जाएंगे। स्वच्छता पर जोर देते हुए सीएम ने निर्देश दिया कि 10 हजार कर्मचारियों की तैनाती कर यहां की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखा जाए।

पुलिस जितनी सतर्क होगी, आम आदमी उतना सुरक्षित होगा:मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी ने महाकुम्भ मेला क्षेत्र में बनी पुलिस लाइन का किया उद्घाटन
पुलिसकर्मियों की प्रशिक्षण कार्यशाला को भी किया संबोधित

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम मोदी के आगमन से पूर्व प्रयागराज में महाकुम्भ की तैयारियों का जायजा लिया और साथ ही महाकुम्भ मेला क्षेत्र में बनी पुलिस लाइन का उद्गाटन भी किया। इस दौरान सीएम योगी ने महाकुम्भ के लिए तैनात पुलिसकर्मियों की प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ 2025 उत्तर प्रदेश के लिए एक शानदार अवसर है। इस महाकुम्भ में देश ही नहीं, दुनिया भर से करोड़ों लोग हिस्सा लेने आ रहे हैं। विगत सात वर्षों में उत्तर प्रदेश पुलिस ने अपना परसेप्शन बदला है। आज यूपी पुलिस को अपराधियों माफिया और देश द्रोहियों के लिए एक काल माना जाता है, जबकि श्रद्धालु, पर्यटकों और आम लोगों के लिए वह मित्र पुलिस की भूमिका में नजर आती है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पुलिस जितनी सतर्क होगी, आम आदमी उतना सुरक्षित होगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को महाकुम्भ मेला क्षेत्र में बने पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुम्भ– 2019 में 24 करोड़ श्रद्धालु आए थे, जिन्होंने स्वच्छता, सुव्यवस्था के साथ उत्तर प्रदेश पुलिस के व्यवहार की तारीफ की। इससे दुनिया के सामने उत्तर प्रदेश की छवि बेहतर हुई। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रयागराज महाकुम्भ को भव्य, दिव्य और डिजिटल बनाने की दृष्टि से उसकी सुरक्षा, स्वच्छता और सुव्यवस्था में उत्तर प्रदेश पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण है। महाकुम्भ– 2025 में चालीस करोड़ तीर्थयात्री प्रयाग में आएंगे। यह आपके लिए दुनिया के सामने उत्तर प्रदेश पुलिस की छवि को बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत करने का सुअवसर है।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश की जनता का विश्वास डगमगाया हुआ था, दुनिया के लोगों में उत्तर प्रदेश को लेकर नकारात्मक भाव था और यहां की पुलिस का मनोबल गिरा हुआ था। पुलिस के डेढ़ लाख के पद खाली थी। भरे नहीं जा रहे थे क्योंकि उस समय की सरकार की नीयत खराब थी। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार में पीआरवी 112 के रिस्पॉन्स टाइम को कम किया गया, अच्छी ट्रेनिंग की सुविधा दी गई, पुलिस को आधुनिक तकनीक से जोड़ा गया, भर्ती प्रकिया को आगे बढ़ाते हुए एक लाख 54 हजार पदों को भरा गया। बीस सालों से रुके हुए पदोन्नति के कार्य को आगे बढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश पुलिस देश में स्मार्ट पुलिस के रूप में जानी जा रही है।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि महाकुम्भ जैसे आयोजन को लेकर उत्तर पुलिस को दोगुनी तैयारी करनी पड़ती है। इसके लिए अच्छी भाषा, लोगों के साथ अच्छा व्यवहार के अलावा तकनीक का ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भीड़ का स्वभाव भगदड़ का होता है। इतने बड़े आयोजन में थोड़ी सी अफवाह बड़ी समस्या खड़ी कर सकती है। इसके दृष्टिगत उत्तर पुलिस के लिए सोशल मीडिया और डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म की निगरानी आवश्यक हो जाती है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पिछले कुम्भ में प्रयागराज आए प्रवासी भारतीयों ने कहा था कि उत्तर प्रदेश पुलिस का व्यवहार बहुत अच्छा था। इसके दृष्टिगत इस बार हमें स्वच्छ, सुरक्षित और डिजिटल महाकुम्भ को दुनिया के समक्ष रखना है।अतिथि देवो भवः के साथ मित्र पुलिस की भूमिका का करें निर्वहन

मुख्यमंत्री योगी ने कहा महाकुम्भ में हमें इस परसेप्शन को और मजबूती से स्थापित करना है। जो भी श्रद्धालु महाकुम्भ के लिए यहां आ रहे हैं उनके साथ हमें अतिथि देवो भवः के साथ पेश आना है। हमें लोगों की मदद करनी है और मित्र पुलिस की अवधारणा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करना है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता श्नंदीश जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी समेत पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे।

मुविवि के प्रोफेसर ए के मलिक ए डी साइंटिफिक इंडेक्स में टाप 3: में शामिल

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रोफेसर अजेंद्र कुमार मलिक को ए डी साइंटिफिक इंडेक्स में टॉप 3: साइंटिस्ट में शामिल किया गया है। प्रोफेसर मलिक, वर्तमान में स्कूल ऑफ साइंसेज में गणित विषय में प्रोफेसर पद पर कार्यरत है। प्रो.मलिक के ए डी साइंटिफिक इंडेक्स में टॉप 3: में शामिल होने पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम, कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो.आशुतोष गुप्ता व अन्य निदेशकगण, शिक्षकगण सहित अनेकों संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने शुभकामनाएं दी हैं।प्रोफेसर मालिक निदेशक, सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशनय प्रभारी निदेशक, रीजनल सेंटर मेरठय नोडल अफसर, स्वयं पोर्टल, स्वयंप्रभाय उत्साह पोर्टल इत्यादि विश्विद्यालय के महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं। दो वर्ष पूर्व प्रोफेसर मालिक को भारत सरकार की संस्था विज्ञान प्रसार की इकाई विपनेट से संबद्ध नेशनल काउंसिल ऑफ रिसर्च टीचर साइंटिस्ट इंडिया, एन.सी.आर.टी.एस द्वारा वर्ष 2022 में राष्ट्रीय निदेशक के रूप में सेवाएं देने के लिए मनोनीत किया गया था। प्रो. मलिक ने बताया कि वह विज्ञान लोकप्रियकरण हेतु सतत् प्रयासरत हैं तथा ऐच्छिक रूप से उक्त राष्ट्रीय स्तर की संस्था को निरूशुल्क सेवाएं दे रहे हैं । उक्त संस्था में नासा, डीएसटी, एनसीईआरटी, इसरो जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के वैज्ञानिक एवं शिक्षाविद जुड़े हैं। प्रोफेसर मलिक को विज्ञान एवं तकनीकी के प्रचार प्रसार एवं राष्ट्रीय स्तर पर अतुलनीय कार्य करने हेतु 1 फरवरी 2022 को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार तथा 22 दिसंबर, 2018 को विपनेट–विज्ञान प्रसार भारत सरकार के डीएसटी के तहत नेटवर्क दासा और त्रिपुरा के एस.डब्ल्यूए से राष्ट्रीय गणित दिवस पर गणित लोकप्रियता के लिए श्रीनिवास रामानुजन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

ब्रांड प्रयागराज को ग्लोबल बनाने का बड़ा अवसर है महाकुम्भ:मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने की प्रयागराज के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक
प्रधानमंत्री के आगमन की तैयारियों की समीक्षा भी की

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने श्प्रयागराज महाकुम्भ–2025 श्ब्रांड प्रयागराजश को श्ग्लोबलश बनाने का बड़ा अवसर बताया है। उन्होंने कहा कि कुम्भ 2019 ने पूरी दुनिया में प्रयागराज की अच्छी छवि बनाई है। अब एक बार फिर अवसर आया है। पूरी दुनिया से लोग प्रयागराज आने की तैयारी कर रहे हैं इसलिए महाकुम्भ यहां के जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के साथ–साथ प्रयागराजवासियों के लिए भी श्अतिथि देवो भवःश का भाव प्रदर्शित करने का बेहतरीन मंच है। प्रयागराज को इसका लाभ उठाना चाहिए।

शनिवार को प्रयागराज में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में इस बार अभूतपूर्व श्दिव्य–भव्य–डिजिटलश महाकुम्भ का आयोजन होने जा रहा है। 12 वर्ष के अंतराल के उपरांत इस वर्ष आयोजित होने जा रहा प्रयागराज महाकुम्भ अब तक के सभी कुम्भ पर्वों के सापेक्ष कहीं अधिक दिव्य और भव्य होगा। मानवता की यह अमूर्त सांस्कृतिक विरासत पूरी दुनिया को सनातन भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपरा, विविधतापूर्ण सामाजिक परिवेश और लोक आस्था का साक्षात्कार कराएगी। महाकुम्भ के सफल आयोजन के दृष्टिगत प्रयागराज के जनप्रतिनिधियों और स्थानीय जनता का सहयोग सबसे महत्वपूर्ण होगा। आगामी 13 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयागराज आगमन पर ऐतिहासिक अभिनंदन होगा।स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की जनसभा में बड़ी संख्या में आमजन की भागीदारी होगी, ऐसे में सभी जनप्रतिनिधियों को व्यवस्था बनाने में सहयोग करना होगा। जो लोग आएं, वह कार्यक्रम की समाप्ति के उपरांत सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच जाएं इसमें सभी लोग स्थानीय प्रशासन का सहयोग करें।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री जी के आगमन से पूर्व 10 से 12 दिसंबर तक पूरे प्रयागराज में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए। सभी जनप्रतिनिधि स्वयं इसमें रुचि लेकर आमजन को सहभागिता के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ श्प्रयागराजश की ब्रांडिंग के लिए सबसे उत्तम अवसर है। जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि वह यहां आने वाले अधिकाधिक तीर्थयात्रियों पर्यटकों से भेंट करने का प्रयास करें और उन्हें प्रयागराज की पौराणिकता, ऐतिहासिकता और आधुनिक युग में प्रयाग की महत्ता से परिचित कराएं। स्वाधीनता संग्राम में प्रयागराज की भूमिका के बारे में चर्चा करें। 2019 के कुम्भ और फिर इस बार के भव्य–दिव्य–डिजिटल महाकुम्भ की स्वच्छता, सुरक्षा और सुव्यवस्था से अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ के सफल आयोजन के लिए प्रयागराज के जनप्रतिनिधियों और स्थानीय जनता से सहयोग का भी आह्वान किया।

शिन्दे के समक्ष चुनौतियां

eहाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एकनाथ शिंदे 57 सीटें जीतकर उद्धव ठाकरे से शिवसेना की विरासत की लड़ाई तो जीत चुके हैं, लेकिन ढाई साल तक सीएम रहने के बाद अब डिप्टी सीएम बनना एक तरह का डिमोशन माना जा रहा है। ऐसे हालात मौजूदा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने भी पैदा हुए थे। वह महाराष्ट्र के ऐसे दूसरे सीएम थे जिसने निर्बाध पांच साल का कार्यकाल पूरा किया। इसके अलावा उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार को गिराने और महायुति की सरकार बनवाने में भी फडणवीस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके बावजूद उनको एकनाथ शिंदे का उपमुख्यमंत्री बनना पड़ा था। फडणवीस उस समय असहज हुए थे। उन्होंने बिना किसी पद के सरकार में रहने की बात कही थी लेकिन भाजपा में कोई गलत संदेश न जाए इसलिए उन्होंने डिप्टी सीएम बनना स्वीकार कर लिया था। फडणवीस के सामने उस समय बेहतर संभावनाएं थीं जो 5 दिसंबर को साकार भी हो गयी हैं लेकिन एकनाथ शिंदे के सामने बेहतर संभावनाएं नहीं हैं। शिवसेना तीन टुकड़े में बंट चुकी है। अब इसकी भी गारंटी नहीं कि और टुकड़े नहीं होंगे। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो पावर शेयरिंग में ताकतवर मंत्रालय शिंदे को नहीं मिले तो उनके कार्यकर्ताओं के मनोबल पर भी असर पड़ेगा। ऐसे में उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती शिवसेना के विधायकों को साथ में जोड़े रखने की होगी। शिवसेना के विस्तार की संभावनाएं तो बहुत कम दिख रही हैं। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना एमवीए में कांग्रेस को वर्दाश्त नहीं कर पा रही है । उसके लिए भाजपा ही बेहतर विकल्प लगेगी। एकनाथ शिंदे के सामने एक चुनौती यह भी होगी कि वह भाजपा का विश्वास कैसे अर्जित करेंगे। यह बात किसी से छिपी नहीं रह गयी कि शिंदे ने ही देवेन्द्र फडणवीस की सरकार बनने में देर करवाई। अजित पवार के खुले समर्थन के बाद एकनाथ शिंदे के सामने कोई रास्ता नहीं बचा था। वह डिप्टी सीएम मजबूरी में ही बने हैं। यह गांठ फडणवीस की आंख में चुभती रहेगी।

महाराष्ट्र में 12 दिन के मान मनौव्वल के बाद पांच दिसंबर को देवेंद्र फडणवीस ने तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वहीं एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने डिप्टी सीएम की शपथ ली है। उल्लेखनीय यह है देवेंद्र फडणवीस के बाद एकनाथ शिंदे को शपथ दिलाई गई। इससे यह संदेश देने का प्रयास किया गया है कि शिंदे ही दूसरे स्थान पर हैं। इसी तरह एकनाथ शिंदे ने शपथ लेने से पहले बाला साहेब ठाकरे को नमन किया। इसप्रकार शिंदे ने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि मराठा सम्राट बाला साहेब ठाकरे के वास्तविक उत्तराधिकारी वही हैं। यह संदेश शिवसैनिकों तक ठीक स
पहुंच गया तो शिंदे की राह आसान हो सकती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि दो साल से अधिक समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले शिंदे को आने वाले समय में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। यही कारण है कि वे सरकार में अब अपनी पावर बढ़ाने में लगे हुए हैं।

माना जा रहा है कि एकनाथ शिंदे का नई सरकार के पावर शेयरिंग में पावर कम हो रहा है। ढाई साल तक सत्ता की बागडोर संभालने वाले शिंदे का सीएम की कुर्सी छोड़कर डिप्टी सीएम बनना, उनके राजनीतिक करियर के लिए जोखिम भरा कदम माना जा रहा है, क्योंकि सत्ता की शक्ति से उन्होंने उद्धव ठाकरे को शिकस्त दी थी। अब जब सत्ता पर पकड़ कमजोर हुई है, तो शिंदे के सामने शिवसेना पर अपनी पकड़ मजबूत रखने की चुनौती बढ़ गई है। राज्य में कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी के सामने भी विधायकों को संभाले रखने की चुनौती होगी। इनके विधायक टूटने पर भाजपा की तरफ ही जाएंगे। एकनाथ शिंदे अगर उनको अपने साथ जोड़ने में कामयाव हो जाएंगे तो उनका कद बढ़ेगा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एकनाथ शिंदे 57 सीटें जीतकर उद्धव ठाकरे से शिवसेना की विरासत की लड़ाई जीत गये हैं, लेकिन शिवसेना का रुतबा वापस लाने का रास्ता अब आसान नहीं है । शिवसेना से बगावत करके जब शिंदे मुख्यमंत्री बने तब शिवसैनिकों ने गर्व महसूस किया था। विधानसभा चुनाव में उसका असर भी दिखा था।

एकनाथ शिंदे बाखूबी समझते हैं कि अपने हाथ में सत्ता रखने के चलते अपने विधायकों और सहयोगियों को ताकत देने में सक्षम थे। इसके चलते ही उद्धव ठाकरे से शिवेसना से असली–नकली की लड़ाई जीते हैं। शिवसेना के विध ायकों की संख्या को बढ़ाया है। सत्ता की शक्ति के कारण सियासी शिखर को छुआ है, लेकिन अब मुख्यमंत्री पद की ताकत नहीं होगी और यदि कोई ताकतवर मंत्रालय नहीं होगा, तो उनकी पार्टी के लिए भविष्य की राह मुश्किल हो जाएगी। शिवसेना के कई विधायक शिंदे के साथ कम और सियासी पावर के चलते ज्यादा हैं।

लगातार पांच बार विधायक बने एकनाथ शिन्दे 1997 में ठाणे महानगर पालिका से पार्षद चुने गए थे और 2001 में नगर निगम सदन में विपक्ष के नेता बने। इसके बाद साल 2002 में दूसरी बार निगम पार्षद बने। इसके अलावा तीन साल तक पॉवरफुल स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य रहे। हालांकि, दूसरी बार पार्षद चुने जाने के दो साल बाद ही विधायक बन गए, लेकिन शिवसेना में सियासी बुलन्दी को साल 2000 के बाद छुआ। एकनाथ शिन्दे ठाणे की कोपरी–पंचपखाड़ी सीट से साल 2004 में पहली बार विधायक निर्वाचित हुए थे। शिवसेना के टिकट पर 2004 में पहली बार विधानसभा पहुंचे शिन्दे इसके बाद 2009, 2014 2019 और 2024 में भी विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुए। शिन्दे महाविकास अघाड़ी को तोड़ने और भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबन्धन को फिर से स्थापित करने के पक्ष में थे उन्होंने वैचारिक मतभेदों और कांग्रेस पार्टी और भारतीय राष्ट्रवादी कांग्रेस द्वारा अनुचित व्यवहार के कारण उद्धव ठाकरे से महा विकास अघाड़ी गठबन्धन को तोड़ने का अनुरोध किया । उनके साथी शिवसेना सदस्यों ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने उनकी शिकायतों की अनदेखी की।उन्होंने अपने अनुरोध ा का समर्थन करने के लिए अपनी पार्टी से दो तिहाई सदस्यों को इकट्ठा किया। यह संकट 21 जून 2022 को शुरू हुआ जब शिन्दे और कई अन्य विधायक महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबन्धन छोड़कर भाजपा शासित गुजरात के सूरत में चले गये। शिन्दे के विद्रोह के परिणामस्वरूप, उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमन्त्री पद से इस्तीफा दे दिया और कहा कि वह महाराष्ट्र विधान परिषद से भी इस्तीफा दे देंगे। शिन्दे ने सफलतापूर्वक भाजपा–शिवसेना गठबन्धन को फिर से स्थापित किया और 20वें मुख्यमन्त्री के रूप में शपथ ली, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के देवेन्द्र फडणवीस उपमुख्यमन्त्री बने थे। ¼fgQ½

सम्पादकीय

भारतीय संविधान में कलात्मकता

हमारा भारत देश संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत का एक जीता जागता अनुभव है। इसके इतिहास को सरल शब्दों में व्यक्त करना अत्यंत कठिन है। इससे भी अधिक कठिन है पांच हजार से अधिक वर्षों की सभ्यता के इतिहास को एक दस्तावेज के रूप में व्यक्त करना, जो देश की स्वतंत्रता के समय एक नए स्वतंत्र हुए राष्ट्र के भाग्य का मार्गदर्शन करने वाला हो। लेकिन आचार्य नंदलाल बोस केवल एक कलाकार नहीं थे और भारत के संविधान पर चित्रण उनके लिये केवल एक और कार्य नहीं था। संविधान में चित्रण के लिए उनकी दृष्टि हड़प्पा सभ्यता के समय से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति के समय तक भारत की यात्रा का वर्णन करती है।

यह सभी चित्रण संविधान के अंतिम पृष्ठ पर सूचीबद्ध हैं और उन्हें बारह ऐतिहासिक काल में वर्गीकृत किया गया हैरू मोहनजोदड़ो काल, वैदिक काल, महाकाव्य काल, महाजनपद और नंद काल, मौर्य काल, गुप्त काल, मध्यकालीन काल, मुस्लिम काल, ब्रिटिश काल, भारत का स्वतंत्रता आंदोलन, स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारी आंदोलन और प्राकृतिक विशेषताएँ।

संविधान की शुरुआत हमारे राष्ट्रीय प्रतीक के चित्रण से होती है। नंदलाल बोस इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थे कि प्रतीक में शेर बिल्कुल असली शेरों की तरह दिखें, उनकी चाल और चेहरे के हाव–भाव सही हों और आयु के हिसाब से उनमें बदलाव हो। राष्ट्रीय प्रतीक के डिजाइनर दीनानाथ भार्गव, जो उस समय कला भवन में एक युवा छात्र थे, इस कलाकृति को चित्रित करने से पहले शेरों के हाव–भाव, शारीरिक भाषा और तौर–तरीकों का अध्ययन करने के लिए महीनों तक कोलकाता चिड़ियाघर गए। प्रस्तावना पृष्ठ और कई अन्य पृष्ठों को बेहर राममनोहर सिन्हा ने डिजाइन किया था। नंदलाल बोस ने बिना किसी बदलाव के प्रस्तावना हेतु सिन्हा जी की बनाई कलाकृति का समर्थन किया। इस पृष्ठ पर निचले दाएं कोने में देवनागरी में सिन्हा का संक्षिप्त हस्ताक्षर राम है।

संविधान की प्रस्तावना एक हाथ से लिखा हुआ लेख है जो आयताकार बॉर्डर से घिरा हुआ है। बॉर्डर के चार कोनों में चार पशुओं को दर्शाया गया है। दर्शाए गए चार जानवर भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के आधार से लिए गए हैं। बॉर्डर की कलाकृति में कमल की आकृति प्रमुखता से दिखाई देती है। कमल की आकृति बॉर्डर कलाकृति में प्रमुखता से दिखाई देती है।

संविधान का प्रत्येक भाग एक चित्र से आरंभ होता है और अलग–अलग पृष्ठों पर अलग–अलग बॉर्डर डिजाइन दर्शाए गए हैं। कलाकारों के हस्ताक्षर चित्र पर और बॉर्डर के पास दिखाई देते हैं जो इस प्रोजेक्ट में सभी के सहयोग को दर्शाता है। अनेक पृष्ठों पर कई हस्ताक्षर हैं जो बंगाली, हिंदी, तमिल और अंग्रेजी में दिखाई देते हैं। भारत के संविधान के भाग 19 में विविध विषयों से संबंधित एक चित्र है जिसमें नेताजी सैन्य पोशाक में अपने सैनिकों से घिरे हुए सलामी दे रहे हैं। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्रण पर दिखाई देते हैं और ए. पेरुमल के हस्ताक्षर पृष्ठ के बाएं निचले कोने पर दिखाई देते हैं। वे कला को लोगों तक ले जाने वाले कलाकार के रूप में प्रसिद्ध हुए। वे शांतिनिकेतन के गाँवों में जाते और संथाल घरों की दीवारों को जानवरों, पक्षियों और पेड़ों वाली प्रकृति की थीम से सजाते। वे शांतिनिकेतन के कला भवन में चार दशकों से अधिक समय तक नंदलाल बोस जैसे महान कलाकारों के साथ रहे और काम किया, उन्हें स्नेह से पेरुमलदा कहा जाता था।

संविधान का भाग 4, जो प्रथम अनुसूची के भाग में राज्यों से संबंधित है, वह ध्यान में बैठे भगवान महावीर की समृद्ध रंगीन चित्र से शुरू होता है, जिसमें वे अपनी आँखें बंद करके और हथेलियाँ एक दूसरे पर टिकाकर बैठे हुए हैं। भगवान महावीर के दोनों ओर एक–एक पेड़ हैं और फ्रेम में एक मोर भी दिखाई दे रहा है जो प्रकृति में सामंजस्यपूर्ण सह–अस्तित्व को दर्शाता है। यह मूल संविधान के कुछ रंगीन चित्रों में से एक है। रंगीन चित्रों में जमुना सेन और नंदलाल बोस के हस्ताक्षर हैं। इस पृष्ठ पर बॉर्डर डिजाइन में राजनीति नामक कलाकार के हस्ताक्षर भी हैं।

भारतीय संविधान का भाग 15 चुनावों पर केंद्रित है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्रों में भारत के दो वीर सपूत छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोविंद सिंह को दिखाया गया है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्र ध ीरेंद्र कृष्ण देब बर्मन द्वारा बनाए गए हैं, जो त्रिपुरा राजघराने के सदस्य थे और रवींद्रनाथ टैगोर और नंदलाल बोस के साथ उनके घनिष्ठ संबंध ा थे। बॉर्डर डिजाइन पर कृपाल सिंह शेखावत के हस्ताक्षर हैं, जो भारत के एक प्रसिद्ध कलाकार और मिट्टी के बर्तन बनाने वाले थे, जिन्हें जयपुर की प्रतिष्ठित ब्लू पॉटरी की कला को पुनर्जीवित करने के लिए जाना जाता है।

शांतिनिकेतन में ललित कला संस्थान कला भवन ने भारत और दुनिया के सभी कोनों से छात्रों और कलाकारों को आकर्षित किया, इस प्रकार विभिन्न प्रभावों को समाहित करते हुए उत्कृष्टता की निरंतर खोज करते हुए एक इकोसिस्टम निर्मित किया और अंत में, एक अनूठी भारतीय शैली और कला निर्मित की। इस पर काम करने वाले कई कलाकारों ने अपने करियर में महान ऊंचाइयों को हासिल किया, लेकिन इस परियोजना के समय शांतिनिकेतन के छात्र और सहयोगी ही थे जो अपने श्रद्धेय 'मास्टर मोशाय' दलाल बोस के सपने को जीवंत करने के लिए प्रयत्नशील थे।संविधान में चित्रों की प्रेरणा भारत के विशाल इतिहास, भौतिक परिदृश्य, पौराणिक चित्र और स्वतंत्रता संग्राम में निहित है। भारत के संविधान का भाग 13 'भारतीय क्षेत्र में व्यापार, वाणिज्य और उनके परस्पर संबंधों' से संबंधित है। इस पृष्ठ पर दिया गया चित्रण महाबिलापुरम में स्मारकों के समूह का हिस्सा है जो यूनेस्को द्वारा अंकित विश्व धरोहर स्थल है। 'गंगा का अवतरण' एक बड़ी, खुली हवा में बनी चट्टान की नक्काशी वाली मूर्ति है जो स्वर्ग से धरती पर गंगा नदी के उतरने के कथा को पत्थर में दर्शाती है।

संभल हिंसा में पाकिस्तानी कनेक्शन की कड़ी

D;k संभल में हिंसा की साजिश के पीछे प्रदेश और देश भर में सांप्रदायिक बदअमनी फैलाने का पाकिस्तानी मंसूबा जिम्मेदार है? क्या मजहब के नाम पर फिरकापरस्त लोगों का एक पूरा समूह प्रदेश में दहशत और अराजकता का माहौल पनपा कर योगी और मोदी सरकार की बदनामी की साजिश करता रहता है। इन तमाम सवालों के जवाब संभल हिंसा की जांच में सामने आ रहे हैं।

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के संभल हिंसा मामले में पाकिस्तानी कनेक्शन सामने आना निश्चित तौर पर न सिर्फ गंभीर चिंता की बात है, बल्कि देश की सुरक्षा की दृष्टि से भी संवेदनशील मामला है। देश में साम्प्रदायिक हिंसा होना कोई नई बात नहीं है, कई राज्यों में ऐसे मामले सामने आते ही रहते हैं और अधिकतर मामलों में स्थानीय प्रशासन शांति स्थापित कर लेता है। मगर देश के भीतर साम्प्रदायिक हिंसा में अगर विदेशी हथियार मिलने के सबूत मिले, तो निःसंदेश सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क हो जाना चाहिए। संभल हिंसा मामले की गूंज एक तरफ जहां संसद से लेकर सड़क तक सुनायी दे रही है, तो वहीं दूसरी तरफ इस मामले में जैसे–जैसे यूपी पुलिस और न्यायिक आयोग की जांच आगे बढ़ रही है, वैसे–वैसे चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। इस बात की आशंका पहले से जतायी जा रही है कि देश में माहौल को खराब करने के लिए आतंकी साजिश हो सकती हैं। इस बीच जांच के दौरान पाकिस्तान और अमेरिका का एंगल सामने आया है। पुलिस को संभल हिंसा प्रभावित क्षेत्र में तलाशी के दौरान पाकिस्तान और अमेरिका में बने कारतूस के खोखे मिले हैं। हिंसा में विदेशी कारतूसों के इस्तेमाल का खुलासा अब जांच के दौरान हुआ है। बरामद कारतूस खोखों पर लिखा है मेड इन यूएसए। इसके अलावा पाकिस्तान के भी खोखे बरामद किए गए हैं। हिंसा वाली जगह पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने नालियां खंगालीं तो सर्च ऑपरेशन में अफसरों की टीम को मौके से पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के 9 एमएम का 2 मिस फायर एक खोखा बरामद हुआ, जबकि इसके अलावा 12 बोर के 2 खोखे और 32 बोर के 2 खोखे बरामद हुए हैं। अधिकारियों ने पहले हिंसा में मरे लोगों के पोस्टमार्टम रिपोर्ट के हवाले से देशी 315 बोर के हथियार की बात कही थी, लेकिन अब विदेशी हथियारों का एंगल सामने आया है। घटना के 9 दिन बार फॉरेंसिक टीम के पहुंचने पर पुलिस की थ्योरी पर सवाल खड़े हो सकते हैं। पहले पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर देशी 315 चोर के हथियार की गोली से मौत होने की बात कही गई थी लेकिन विदेशी हथियार मिलने के बाद इस जांच का रुख पूरी तरह से चेंज हो सकता है।

पाकिस्तान से जुड़े खोखे मिलने का मतलब है कि संभल में हिंसा फैलाने के लिए पहले से ही बड़ी साजिश रची गई थी। इसकी जड़ें काफी गहरी हो सकती हैं और तार कई राज्यों में फैले हो सकते हैं। साथ ही इसमें देश के भी कुछ गद्दार भी शामिल हो सकते हैं, क्योंकि उनके समर्थन के बिना किसी विदेशी साजिश को अंजाम दिया ही नहीं जा सकता था। भारत को अशांत करने की एक बड़ी साजिश हो सकती है, जिसके तह तक जाने की जरूरत है। दरअसल पिछले महीने संभल में हिंसा की शुरूआत संभल स्थित जामा मस्जिद के सर्वे के बाद हुई थी। तब कोर्ट के आदेश पर मस्जिद का सर्वे किया गया था, लेकिन इसके बाद शुरू हुई हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई। हिंसा से पहले यहां पथराव और आगजनी की घटनाएं हुई थीं। इस घटना के बाद जिले में पांच दिनों तक इंटरनेट सेवाएं बंद रहीं और बाहरी लोगों के एंट्री पर भी रोक लगा दी गई थी। हालांकि बाहरी लोगों के एंट्री पर अभी भी रोक जारी है। वहीं जिले में धारा 163 लागू कर दी गई है, जो अगले 10 दिसंबर तक लागू रहेगी।

पुलिस जांच में पहले से ही साजिश की बात सामने आयी है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ में जानकारी मिली है कि योजनाबद्ध तरीके से हुई हिंसा की गई थी। पुलिस के अनुसार तय तैयारी के अनुसार ही पहले से घरों की छतों पर ईंट, पत्थर व कांच की बोतलें एकत्र की गई थीं। महिलाओं को दो टूक संदेश था कि यदि मोर्चा लेने के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घिर जाएं तो बचाव के लिए छतों से वार कर देना। उपद्रवियों के हावी होने पर पुलिस ने जब सख्ती की

तो छतों से महिलाओं ने मोर्चा संभाला था। पुलिस–प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों पर हमला बोल दिया था। ईंट, पत्थर व कांच की बोतलों से वार किया गया। इस पर पुलिस तितर– बितर हुई और मौका पाकर उपद्रवियों ने फायरिंग शुरू कर दी। महिलाओं के घटना में शामिल होने से साफ था कि यह पूरी तरह से सुनियोजित था। पूछताछ में सामने आया है कि पुलिस पर हमले के बाद हालात बेकाबू होने की स्थिति में महिलाओं को घरों से बाहर निकलकर सामने आना था। यह रणनीति इसलिए थी कि महिलाएं जब आगे आ जाएंगी, तब पुलिस भी एक बार कदम पीछे खींचेगी और उपद्रवी इसका फायदा उठाकर भाग सकेंगे। और हुआ भी यही। दो महिलाओं व युवती को पुलिस ने मौके से ही पकड़ा था। इस प्रकार की साजिश किसी बड़े खतरे की तरफ इशारा कर रही है, मगर दुःखद बात है कि देश के नेता इस मामले को लेकर एक दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप लगाने में जुटे हुए है। संसद में भाजपा को घेरने के लिए समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस हिंसा को सोची–समझी साजिश करार देते हुए लोकसभा में मांग की कि घटना के लिए जिम्मेदार पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को निलंबित किया जाए। दोषी अधिकारियों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा चलाया जाए। अखिलेश ने संभल की शाही जामा मस्जिद में सर्वे का जिक्र करते हुए इस तरह की घटनाओं के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। यादव ने अनुसार देश के कोने–कोने में भाजपा और उसके सहयोगी, समर्थक और शुभचिंतक बार–बार खुदाई की बात करते हैं जिससे देश का सौहार्द, भाईचारा और गंगा–जमुनी तहजीब खो जाएगी। उन्होंने दावा किया कि एक बार स्थानीय अदालत के आदेश पर संभल की शाही जामा मस्जिद के अंदर सर्वे का काम पूरा कर चुके पुलिस और प्रशासन के अधिकारी कुछ दिन बाद दोबारा सर्वे के लिए पहुंच गए और उनके पास अदालत का कोई आदेश नहीं था। देखा जाए जिस प्रकार से इस संवेदनशील मामले को लेकर सियासत की जा रही है, वह कतई उचित नहीं है। संभल में शांति स्थापना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए सभी राजनीतिक पार्टियों को दलगत भावना से उपर उठकर संभल में शांति की बहाली के लिए प्रयास करना चाहिए किन्तु राजनीतिक पार्टियां इस हिंसा की आग में अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने में मशगूल है। संभल हिंसा को लेकर भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के नेता एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे है। कुछ नेता तो अनरगल बयानबाजी कर आग में घी डालने का काम रहे है जिससे संभल में स्थिति सुधरने की जगह और खराब हो सकती है। जरूरत है कि राजनेता इस मामले की गंभीरता को समझे और राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप बंद करें। ¼fgQ½

एक योग्य संगठनकर्ता और कुशल प्रशासक समझे जाते हैं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

कमलेश पांडे ।

देवेंद्र फडणवीस भारतीय जनता पार्टी के एक वैसे प्र

मुख नेता हैं, जो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे और फिर कुछ वर्ष उपमुख्यमंत्री रहने के बाद एक बार फिर मुख्यमंत्री बन चुके हैं। ताजपोशी की औपचारिकता भी गुरुवार पूरी हो गई।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को केंद्र और प्रदेश भाजपा में एक योग्य संगठन कर्ता और कुशल प्रशासक के रूप में जाना जाता है। ऐसा इसलिए कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने अपने 5 वर्ष के कार्यकाल के दौरान कई बेहद महत्वपूर्ण निर्णय लिए और विकास परियोजनाओं को गति प्रदान करते हुए उन्हें आगे बढ़ाया। इसलिए जहां उनके संगठनात्मक कौशल की सराहना उनकी पार्टी और उनके समर्थकों द्वारा की जाती है, वहीं, अपने प्रशासनिक कार्यकुशलता से भी वे अपने कार्यों और रणनीतियों के लिए जाने जाते हैं। वहीं, उपमुख्यमंत्री के रूप में भी उन्होंने अपने विकास पुरुष की छवि को बरकरार रखा, जिसका लोगों ने भाजपा को पुरस्कार भी दिया, बम्पर वोट देकर!देवेंद्र फडणवीस भारतीय जनता पार्टी के एक वैसे प्रमुख नेता हैं, जो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे और फिर कुछ वर्ष उपमुख्यमंत्री रहने के बाद एक बार फिर मुख्यमंत्री बन चुके हैं। ताजपोशी की औपचारिकता भी गुरुवार पूरी हो गई। उनकी पहचान एक जमीनी नेता, योग्य संगठनकर्ता और कुशल प्रशासक के रूप में बनी है। उनके नेतृत्व में कई विकास कार्य और प्रशासनिक सुधार हुए हैं, जिससे उनकी कार्यक्षमता और प्रबंधन कौशल की सराहना की गई है। उनकी पहचान निम्नलिखित प्रशासनिक सुधार और नीतियों से है। फडणवीस के कार्यकाल में महाराष्ट्र के शहरी विकास को नई दिशा दी गई। मुंबई मेट्रो, मुंबई–नागपुर समृद्धि महामार्ग और स्मार्ट सिटी योजनाओं जैसी परियोजनाओं की शुरुआत की गई। उनके नेतृत्व में कृषि और ग्रामीण विकास भी खूब हुआ। उनके कार्यकाल में किसानों की ऋण माफी योजना, जलयुक्त शिवार योजना जैसी योजनाओं की शुरुआत हुई, जिसका उद्देश्य किसानों को राहत देना और पानी की समस्या का समाधान करना था।देवेंद्र फडणवीस में गजब का संगठनात्मक कौशल भी है। उन्होंने अपनी पार्टी के संगठन को मजबूती से खड़ा किया और राज्य में बीजेपी को एक प्रभावशाली राजनीतिक शक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे एक प्रखर वक्ता और कुशल रणनीतिकार माने जाते हैं। फडणवीस1989 में भाजयुमो के नागपुर शहर के एक वार्ड के अध्यक्ष बने। फिर 1990 में नागपुर (पश्चिम) से भाजपा के पदाधिकारी बने। उसके बाद 1992 में उन्होंने भाजयुमो के नागपुर अध्यक्ष का पद संभाला। ततपश्चात 1994 में भाजयुमो के ही प्रदेश उपाध्यक्ष बने। वहीं, वर्ष 2001 में उन्हें भाजयुमो का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया। फिर 2010 में महाराष्ट्र भाजपा के महासचिव बने। वर्ष 2013 में उन्हें महाराष्ट्र भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। 2022 में उन्हें गोवा का भाजपा प्रभारी बनाया गया। वह 2021 में रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी के संगठनात्मक अध्यक्ष भी बने। जो उनके संगठनात्मक कौशल का तकाजा है। उनके नेतृत्व में बीजेपी ने महाराष्ट्र में बड़ी सफलता हासिल की।राजनीति में उनकी साफ छवि और कुशल प्रशासनिक कार्यशैली के कारण उन्हें एक मजबूत नेता माना जाता है।देवेंद्र फडणवीस का राजनीतिक और प्रशासनिक करियर उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व कौशल का बेहतर उदाहरण है। फडणवीस का जन्म 22 जुलाई 1970 को नागपुर में एक मराठी ब्राह्मण हिंदू परिवार में गंगाधर फडणवीस और सरिता फडणवीस के घर हुआ था। उनके पिता नागपुर से महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य थे। उनकी माँ अमरावती के कालोती परिवार से थीं और पहले विदर्भ हाउसिंग क्रेडिट सोसाइटी की निदेशक के रूप में काम कर चुकी थीं। फडणवीस ने अपनी प्रारंभिक स्कूली शिक्षा इंदिरा कॉन्वेंट में की, जिसका नाम तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नाम पर रखा गया था। आपातकाल के दौरान, फडणवीस के पिता, जनसंघ के सदस्य होने के नाते, सरकार विरोधी प्रदर्शनों में भाग लेने के लिए जेल गए थे।

फडणवीस ने बाद में इंदिरा कॉन्वेंट में अपनी स्कूली शिक्षा जारी रखने से इनकार कर दिया, क्योंकि वह उस प्रधानमंत्री के नाम पर बने स्कूल में नहीं जाना चाहते थे, जिसे उन्होंने अपने पिता को कैद करने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। फिर उन्हें सरस्वती विद्यालय स्कूल, नागपुर में स्थानांतरित कर दिया गया, जहाँ उन्होंने अपनी अधिकांश स्कूली शिक्षा प्राप्त की। फडणवीस ने अपनी उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के लिए धरमपेठ जूनियर कॉलेज में दाखिला लिया।फडणवीस के पास गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, नागपुर विश्वविद्यालय से कानून में स्नातक की डिग्री, बिजनेस मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर की डिग्री और डीएसई–जर्मन फाउंडेशन फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट, बर्लिन, जर्मनी से प्रोजेक्ट मैनेजमेंट के तरीकों आर तकनीकों में डिप्लोमा है। देवेंद्र फडणवीस का पारिवारिक जीवन भी सफल है। उन्होंने अमृता फडणवीस से विवाह किया है, जो एक बैंकिंग पेशेवर और गायिका भी हैं। उनका एक बेटी दिविजा फडणवीस हैं, जिनसे वो गहरा लगाव रखते हैं।फडणवीस ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत नब्बे के दशक के मध्य में की थी। तब उनकी उम्र काफी कम की थी। सबसे पहले वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद–एबीवीपी से जुड़े और 1992 में महज 22 साल की आयु में पहली बार नागपुर नगर निगम के पार्षद बने। कॉलेज के छात्र के रूप में, फडणवीस भाजपा से संबद्ध अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के एक सक्रिय सदस्य थे। 5 साल बाद, 1997 में 27 साल की उम्र में फडणवीस नागपुर नगर निगम के सबसे कम उम्र के मेयर बने और भारत के इतिहास में दूसरे सबसे कम उम्र के मेयर बने। फडणवीस भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) दोनों के सदस्य रहे हैं।वर्ष 1999 में फडणवीस पहली बार महाराष्ट्र विधान सभा के लिए नागपुर पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से विधायक चुने गए। 2004 और 2009 में यहीं से वो पुनः निर्वाचित हुए। फिर उन्होंने 2014 और 2019 में नागपुर दक्षिण पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है।

नार्थ जोन इन्टर यूनीवर्सिटी कराटे में अवध विवि के विपुल शर्मा ने जीता कांस्य पदक

अयोध्या(एजेंसी)। पंजाब के चंडीगढ़ विश्वविद्यालय मोहाली में आयोजित नॉर्थ जोन इन्टर यूनिवर्सिटी महिला व पुरुष प्रतियोगिता में डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के विपुल शर्मा ने अंडर 67 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल करने साथ ऑल इंडिया इंटर यूनीवर्सिटी प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। वही पुरुष वर्ग में लोकेश प्रधान ने अंडर 55 किलोग्राम भार वर्ग में एवं व्यक्तिगत काता स्पर्धा में अविनाश श्रीवास्तव ने भी ऑल इंडिया इंटर यूनीवर्सिटी प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया। दूसरी ओर महिला वर्ग के अंडर 68 किलोग्राम भार वर्ग में शिखा ने भी अपने शानदार प्रदर्शन से ऑल इंडिया इंटर यूनीवर्सिटी प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर लिया। इसके टीम मैनेजर अंकित एवं कोच नीरज कुमार रहे। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी के साथ ऑल इंडिया इंटर यूनीवर्सिटी कराटे प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने वाले सभी खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इस खेल में खिलाड़ियों का अच्छा प्रदर्शन उनके निरंतर अभ्यास एवं तकनीक के बेहतर समन्वय से संभव हुआ है। विश्वविद्यालय को अपने खिलाड़ियों पर गर्व है। ये खिलाड़ी अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा श्रोत बनेंगे। विश्वविद्यालय क्रीडा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. हिमांशु सिंह एवं क्रीड़ा सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह ने कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी व ऑल इंडिया प्रतियोगिता के लिए क्वॉलीफाई करने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। क्रीड़ा सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह ने बताया कि कुलपति के कुशल मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को अच्छी खेल सुविधाओं के साथ उच्च गुणवत्ता की स्पोर्टस किट एवं रेल तथा बस में वातानुकूलित यात्रा की सुविधा प्रदान की जा रही है, इससे खिलाड़ियों में अपार हर्ष है।खिलाड़ियो की उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी पूर्णेंदु शुक्ला, कुलसचिव उमानाथ, कुलानुशासक प्रो. एस. एस. मिश्रा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. नीलम पाठक, साकेत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. दानपति त्रिपाठी, विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष जनमेजय तिवारी, महामंत्री प्रो. अमूल्य, कुमार सिंह, विश्वविद्यालय आवासीय परिसर शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र वर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. संग्राम सिंह, महामंत्री डॉ. राना रोहित सिंह, क्रीड़ा उप सचिव डॉ. अनुराग पाण्डेय, डॉ. विनय सिंह, डॉ. मनीष सिंह, प्रो. प्रवीन सिंह, प्रो. सन्तोष गौड़, डॉ. नागेंद्र सिंह, डॉ. पूनम जोशी, डॉ. सीमा पाण्डेय, डॉ. दुष्यंत सिंह, डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. कपिल राणा, डॉ. त्रिलोकी यादव, डॉ. अर्जुन सिंह, डॉ. सतीश श्रीवास्तव सहित अन्य खेल प्रेमियों ने बधाई दी है।

फैजाबाद बार एसोसिएशन चुनाव के लिए पहले दिन 29 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

-अध्यक्ष व महामंत्री समेत 12 पदों पर 17 दिसम्बर को होना है चुनाव

अयोध्या(एजेंसी)। 17 दिसम्बर को होने जा रहे फैजाबाद बार एसोसिएशन अयोध्या का वार्षिक चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। पहले दिन शुक्रवार को बार एसोसिएशन चुनाव के प्रतिष्ठापूर्ण अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व महामंत्री समेत विभिन्न पदों पर 29 प्रत्याशियों ने अधिवक्ता एकता जिंदाबाद के नारों के साथ पर्चा दाखिल किया।

अध्यक्ष पद पर पहले दिन पांच अधिवक्ताओं ने नामांकन किया है। अध्यक्ष पद पर नामांकन करने वाले अरविंद कुमार सिंह, वाई.वी. मिश्र, सूर्य नारायण सिंह, सुरेन्द्र मिश्र उर्फ बब्बलू व रामशंकर यादव शामिल हैं। वहीं उपाध्यक्ष पद पर गायत्री मंत्रों व शंखनाद के बींच वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश उपाध्याय ने सैकड़ों समर्थकों के साथ पर्चा भरा। इसके अलावां उपाध्यक्ष पद के अन्य प्रत्याशियों में चन्द्रभान सिंह व अंजनी कुमार मिश्र उर्फ प्रभू ने नामांकन किया। प्रतिष्ठापूर्ण महामंत्री के पद पर पहले दिन 6 अधिवक्ताओं ने नामांकन किया है। महामंत्री पद पर नामांकन करने वालों में वरिष्ठ अधिवक्ता गिरीशचन्द्र तिवारी ने अपने भारी समर्थकों के साथ नामांकन किया है। इसके अलावां महामंत्री पद के अन्य प्रत्याशियों में राजेश यादव, मनोज कुमार सिंह, अजय श्रीवास्तव, रवीन्द्र वर्मा व शेष कुमार तिवारी शामिल हैं।संयुक्त मंत्री प्रथम के पद पर दो अधिवक्ता संतोष कुमार, भागवत प्रसाद पाण्डेय ने पर्चा भरा है। वहीं संयुक्त मंत्री द्वितीय के पद पर वरिष्ठ अधिवक्ता अखंड प्रताप यादव राजीव तिवारी ने अपने समर्थकों के साथ नामांकन किया है। कोषाध्यक्ष पद पर वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद इस्माइल सिद्दीकी, वीरेन्द्र मिश्र व अशोक दूबे ने नामांकन किया। कार्यकारिणी के ए पद पर पूर्णिमा सिंह व दिलीप मिश्र ने नामांकन किया। कार्यकारिणी बी में ममता सिंह, बद्री यादव व अरविंद पाण्डेय ने तथा कार्यकारिणी सी के पद पर माधव कृष्ण पाण्डेय उर्फ लकी व मोहम्मद सलीम ने अपने भारी समर्थकों के साथ नामांकन किया है। इस दौरान निर्वाचन अधिकारी एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन जोखू प्रसाद तिवारी सदस्य प्रियनाथ नाथ सिंह, अरविंद कौल व विजय कुमार श्रीवास्तव के समक्ष प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। निर्वाचन अधिकारी श्री तिवारी ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया शनिवार व रविवार को भी होगा। शनिवार को बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर वरिष्ठ अधिवक्ता बब्बन प्रसाद चौबे, संयुक्त मंत्री द्वितीय के प्रत्याशी राकेश चौरसिया व कार्यकारिणी ए पद पर रामचन्द्र यादव समेत विभिन्न पदों के कई प्रत्याशी नामांकन करेंगे। बताते चलें कि 17 दिसम्बर को होने जा रहे फैजाबाद बार एसोसिएशन के चुनाव में 2250 मतदाता वोटर हैं। बार एसोसिएशन का चुनाव अध्यक्ष व महामंत्री समेत 12 पदों पर होना है।

महापरिनिर्वाण दिवस पर शिद्दत से याद किये गये डा .भीमराम अम्बेडकर

अयोध्या(एजेंसी)। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर कांग्रेस पार्टी के अनुसूचित जाति जनजाति प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रामसागर रावत के संयोजन में कांग्रेस जनों ने बाबा साहब अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया तथा गोष्ठी का आयोजन हुआ। गोष्ठी की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव तथा संचालन जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने किया। अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा आज हम महापरिनिर्वाण दिवस मना रहे हैं, एक ऐसा दिन जब हमारे समाज के महानतम विचारक, समाज सुधारक, और संविधान निर्माता, डॉ. भीमराव अंबेडकर का देहावसान हुआ था। यह दिन न केवल उनके जीवन का अंत चिह्नित करता है, बल्कि उनके द्वारा प्रज्वलित विचारों का एक नया उदय भी देखता है।महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने कहा बाबासाहेब अंबेडकर एक ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने अपने जीवन को समाज के दलितों, शोषितों और वंचितों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने जातिवाद, छुआछूत और सामाजिक असमानता के खिलाफ आवाज उठाई और समाज में परिवर्तन लाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के आयोजक अनुसूचित जाति जनजाति प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रामसागर रावत ने कहा संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने भारत के संविधान का निर्माण किया, जो दुनिया के सबसे लंबे और सबसे व्यापक संविधानों में से एक है। इस संविधान ने भारत को एक लोकतांत्रिक गणराज्य बनाया और सभी नागरिकों को समान अधिकार और अवसर प्रदान किए। जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम तथा सेवादल के पूर्व जिला अध्यक्ष शीतला पाठक ने कहा बाबासाहेब अंबेडकर केवल एक महान राजनेता ही नहीं थे, बल्कि एक महान विचारक और दार्शनिक भी थे। उन्होंने समाज, धर्म, अर्थशास्त्र और राजनीति पर व्यापक रूप से लिखा है। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और हमें समाज को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। पीसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा ने कहा महापरिनिर्वाण दिवस पर, हमें न केवल बाबासाहेब अंबेडकर को याद करना चाहिए, बल्कि उनके द्वारा प्रचारित मूल्यों को भी अपनाना चाहिए। हमें जातिवाद, छुआछूत और सामाजिक असमानता के खिलाफ लड़ना चाहिए और एक समान और न्यायपूर्ण समाज बनाने के लिए काम करना चाहिए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ,सेवा दल के पूर्व जिला अध्यक्ष शीतल पाठक, प्रवीण श्रीवास्तव, फ्लावर नकवी, उमेश उपाध्याय, युवा जिला अध्यक्ष रामेंद्र त्रिपाठी, रोहित यादव, राम अवध पासी, दिलीप रावत, राम भोर रावत, राजेन्द्र प्रसाद रावत, राम करन कोरी, राम चरित वर्मा, विनोद रावत, रविन्द्र रावत, मोनू आदि लोग उपस्थित रहे।

हत्या में पत्नी व साली को आजीवन कारावास

अयोध्या(एजेंसी)। पत्नी को रिश्तेदारी में जाने से रोका तो उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। जिससे उसकी मौत हो गई। इस मामले में कोर्ट ने मृतक की पत्नी और साली को आजीवन कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है। प्रत्येक पर 10 हजार रुपए जुर्माना भी हुआ है। फैसला अपर जिला जज वन्दना सिंह की अदालत से शुक्रवार को हुआ। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ज्ञानेश चंद्र पांडेय तथा रोहित पांडेय ने बताया कि राम शंकर पांडेय निवासी हनुमानगढ़ी चौराहा थाना कोतवाली अयोध्या के पुत्र पवन पांडेय का विवाह प्रतिमा उर्फ संध्या निवासी रजा नगर जिला श्रावस्ती के साथ 30 जून 2005 को हुआ था ।उसके दो बेटिया वैष्णवी और नैना भी हुई। पवन पांडेय की पत्नी की मौसी राज शर्मा लखनऊ में रहती थी और प्रतिमा को अक्सर अपने यहां बुलाया करती थी। इसका पवन विरोध करता था। 24 नवंबर 2018 को 3 बजे पवन अयोध्या आया और प्रतिमा से चाय बनाने के लिए कहा उसने चाय बना कर दी इससे पवन के शरीर में ऐंठन होने लगी । वह बेहोश हो गया। उसे श्री राम अस्पताल में भर्ती कराया गया फिर हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल ले गए। जहां इलाज के बाद वह ठीक हुआ। इसके बाद 3 दिसंबर 2018 की रात 3 उसे जान से मार डालने की नीयत से पत्नी प्रतिमा तथा उसकी बहन शिवानी ने उसके ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। इलाज के लिए उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। सनी के बाद कोर्ट ने दोषी पाते हुए सजा दी

गंभीर चोट पहुंचाने में एक को पांच साल की सजा

अयोध्या(एजेंसी)। गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में कोर्ट में दोषी करते हुए एक अभियुक्त को 5 साल के कठोर कारावास और ढाई हजार रुपए जुर्माने से दंडित किया है। फैसला अपर जिला जज रवि कुमार गुप्ता की अदालत से शुक्रवार को हुआ।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता श्रीधर मिश्रा ने बताया कि घटना 24 जनवरी 2000 की है। संजय निवासी ड्योढी बाजार थाना रौनाही 5 बजे शाम अपने घर वापस जा रहा था। जब वह लाला का पूरवा इब्राहिमपुर तिराहे पर पहुंचा तो वहां पहले से मौजूद तरंजी उर्फ मकसूद निवासी मंगलसी, इसी गांव के भोलू उर्फ अवधेश कुमार अमरनाथ जायसवाल निवासी कटरौली थाना रौनाही पुरानी रंजिश को लेकर गाली गुप्ता देते हुए लाठी डंडे से मारने लगे। शोर मचाने पर अन्य लोग पहुंचे। तब सभी लोग जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। मामले की रिपोर्ट जानलेवा हमला समेत अन्य धाराओं में लिखाई गई थी दौरान मुकदमा अमरनाथ और भोलू की मौत हो गई इसलिए दोनों के खिलाफ मुकदमा समाप्त कर दिया गया तरंजी को दोषी पाते हुए कोर्ट ने गंभीर चोट पहुंचाने में दोषी को सजा सुनाई।

अब सिविल लाइन्स की शाम लजीज व्यंजनों से होगी चटख

अयोध्या(एजेंसी)। राजधानी लखनऊ की तरह अयोध्या की शाम भी अब रोशन होगी। लजीज व्यंजनों से चटख होगी। तरह–तरह के जायके आपको देश के विभिन्न व्यंजनों की याद दिला देंगे। इसके लिए एक करोड़ रुपये खर्च कर सिविल लाइन्स में बेहतरीन व्यवस्था की जा रही है। भाजपा कार्यालय के निकट वेंडिंग जोन में लोग तरह–तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे। भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने के बाद अयोध्या में देश–विदेश में अयोध्या की कीर्ति फैल गई है। अपने आराध्य के दर्शन के लिए रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। वे न सिर्फ श्रद्धा निवेदित कर रहे हैं बल्कि अयोध्या में घूम–ठहर भी रहे हैं। यह देखते हुए योगी सरकार ने यहां पहले से ही लॉजिंग–फूडिंग के विश्व स्तरीय इंतजाम करा दिए हैं। बड़े–बड़े होटल व रेस्टोरेंट खुल चुके हैं। अभी तक ऐसा सिर्फ बनारस या लखनऊ में ही दिखता था, लेकिन अब अयोध्या में भी इस तरह के वेंडिंग जोन का इंतजाम किया जा रहा है। नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने बताया कि निर्माण विभाग वेंडिंग जोन को बनवा रहा है। इस माह के अंत तक निर्माण पूरा हो जाएगा।भाजपा कार्यालय के निकट बन रहे वेंडिंग जोन में 30 दुकानें रहेंगी। यह टीन शेड रहेंगी। सभी दुकानों का साइज एक ही रहेगा। नगर निगम यहां साफ–सफाई के साथ शौचालय व पेयजल का भी इंतजाम कराएगा। हालांकि इनसे सिर्फ यूजर चार्ज ही लिया जाएगा। नगर क्षेत्र में जगह–जगह सड़कों पर दुकानें चल रही हैं। उन्हें एक जगह लगाया जाएगा। इसके लिए नगर निगम क्षेत्र में 17 जगहों पर वेंडिंग जोन बनाया जाएगा, जिसमें ठेला–रेहड़ी वाले एक जगह खड़े हो सकेंगे। एक ही छत के नीचे साग–सब्जी व अन्य सामान मिल जाया करेगा। वेंडिंग जोन में सिर्फ खान–पान ही दुकानें रहेंगी। इसमें उन्हीं कारीगारो को स्थान दिया जाएगा, जिन्हें सभी व्यंजन, जैसे साउथ, नार्थ इंडियन व चाइनीज फूड बनाने का अनुभव होगा। इसके अलावा दही भल्ले, चाट, बताशों की भी दुकानें सजेंगी।

सपाईयों ने मनाया डा. भीमराव अंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस

अयोध्या(एजेंसी)। शुक्रवार को संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन गुलाबबाड़ी पर मासिक बैठक में समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव समाजवादी पार्टी प्रदेश महासचिव पूर्व विधायक जयशंकर पांडे ने धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि आज का दिन हमारे जीवन में वैचारिक धरातल पर अमूल चूल परिवर्तन की है आज के दिन हम बाबा साहब को इसलिए याद करते हैं क्योंकि उनका जीवन दलित अल्पसंख्यक पिछड़ी के उत्थान के प्रति संकल्पित रहा । श्री यादव ने कहा कि हम सबको मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव जीतकर समाजवादी पार्टी को मजबूत करना है । पूर्व विधायक जयशंकर पांडे ने कहा कि बाबा साहब ने अपने लिए कुछ नहीं किया जो भी किया सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के आधार पर किया है जो भी बाबा साहब के बारे में जानना चाहते हैं एक व्यक्ति के रूप में उनकी अदम्य जिजीविषा और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण की भावना सर्वोपरि प्रचलित होती है। उन्होंने हमेशा समाज के सबसे पिछड़े उत्थान के लिए काम किया है। श्री पांडे ने कहा की हम सब कार्यकर्ताओं को मिलकर मिल्कीपुर उपचुनाव जीतकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत करना है। कार्यक्रम का संचालन समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव बख्तियार खान ने करते हुए कहा कि बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि यह होगी की बाबा साहब के बताए हुए रास्ते पर चलकर समाजवादी पार्टी को मजबूत करना है। सपा जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन गुलाब बाड़ी पर आज संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की परिनिर्वाण दिवस मनाया गया उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया और उनके ही बताए हुए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया । इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला महासचिव बख्तियार खान प्रदेश सचिव छोटेलाल यादव बलराम मौर्य जिला उपाध्यक्ष रामजी पाल जेपी यादव चौधरी बलराम यादव ओ पी पासवान राजेश पटेल आकिब खान पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री अमृत राजपाल कोषाध्यक्ष के के गुप्ता जिला सचिव अंसार अहमद दानबहादुर सिंह शावेज जाफरी गौरव पांडे राकेश चौरसिया अजय कुमार वर्मा छोटेलाल यादव बृजेश सिंह चौहान मायाराम यादव सियाराम निषाद वसी हैदर गुड्डू जय सिंह यादव विद्या भूषण पासी सरोज यादव रोली यादव अखिलेश चौबे राशिद जमील अमित वर्मा आजाद सिंह नागेश्वरनाथ कोरी भानु यादव बिंदेश्वरी यादव विशाल यादव सियाराम यादव पंकज शर्मा अजय यादव मिर्जा सादिक हुसैन रीता निषाद अंबुज कनौजिया रितेश यादव मोहम्मद असलम कैलाश नाथ कोरी राम सिंह सूर्यभान यादव डॉक्टर घनश्याम यादव मोहम्मद इश्हाक प्रशांत प्रजापति गोविंद विश्वकर्मा महेश सोनकर गोविंद यादव रामचंद्र वर्मा राज कपूर मुकेश चौधरी वीरेंद्र कुमार बदलू यादव फूलचंद यादव पार्षद कृष्ण गोपाल यादव अनस खान सीताराम यादव छेदीलाल चौरसिया राजेश यादव फूलचंद अमृतलाल वर्मा प्रीतम विश्वकर्मा विंध्या सिंह फरीद अहमद अबसार अहमद दातादीन यादव आदि लोग मौजूद रहे।

सरयू तट पर बलिदानी कारसेवकों को हिंदू महासभा ने दी श्रद्धांजलि, किया नमन

-राम जन्मभूमि परिसर में स्थापित हो बलिदान स्थल, देश की सभी मस्जिदों का हो सर्वे : मनीष पाडेय

अयोध्या(एजेंसी)। अखिल भारत महासभा के तत्वाधान में 6 दिसंबर 1992 में बलिदान हुए कारसेवकों का पुण्य स्मरण करते हुए सरयू तट पर हाथ में जल लेकर उन्हें विनम्र भावभीनी श्रद्धांजलि प्रदान कर नमन किया गया , हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अधिवक्ता मनीष पांडेय के नेतृत्व में हिंदू महासभा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी सरयू तट पर पहुंचकर बलिदानी कारसेवकों को श्रद्धांजलि प्रदान की गई इस अवसर पर हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनीष पांडेय ने कहा कि बलिदानी कारसेवकों की स्मृति में राम जन्मभूमि परिसर में बलिदान स्थल का निर्माण किया जाना आवश्यक है इसी के साथ–साथ कारसेवा में बलिदान हुए कारसेवकों के परिवारों को आर्थिक सहायता, और उन्हें बुनियादी सुविधाएं, एवं परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दिए जाने पर वर्तमान सरकार गंभीरता पूर्वक विचार करें, हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अधिवक्ता मनीष पांडेय ने कहा कि देश के 4 हजार मस्जिदों का सर्वे कराया जाना आवश्यक है क्योंकि यहां पर हिंदू धार्मिक स्थल मौजूद होने के ठोस प्रमाण अस्तित्व में हैं अगर ईमानदारी के साथ सर्व होता है तो यह संख्या 40 हजार तक भी पहुंच सकती है हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष महंत राम लोचन शरण शास्त्री राजन बाबा ने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है किंतु किंतु काशी विश्वनाथ और कृष्ण जन्मभूमि अभी बाकी है, हिंदू महासभा का यह संकल्प है कि जब तक काशी विश्वनाथ और कृष्ण जन्म भूमि को मुक्त नहीं कर लेंगे तब तक चौन से नहीं बैठेंगे, इसके लिए व्यापक जन आंदोलन चलाया जाएगा, देश के सभी हिंदू धर्मावलंबियों से यह निवेदन कि वे बलिदानी कार सेवकों को श्रद्धांजलि देकर नमन करें श्रद्धांजलि देने वाले प्रमुख लोगों में शत्रुघ्न पांडेय, अवनीश शास्त्री, जितेंद्र कुमार उपाध्याय चंद्रहास दीक्षित ,प्रियांशु तिवारी ,राम रतन ,अवधेश सिंह, विपिन यादव, नरेंद्र श्रीवास्तव ,तथा पहाड़ी मास्टर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

लालगंज में तेज रफ्तार वाहनों पर कार्रवाई की मांग तेज, दुर्घटनाएं रोकने पर जोर

मीरजापुर(एजेंसी)। लालगंज क्षेत्र में ग्रामीण सड़कों पर तेज गति से दौड़ रहे बाइकों और अन्य वाहनों के कारण दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए क्षेत्र के जागरूक नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने वाहन चालकों की स्पीड जांच और यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की मांग तेज कर दी है। उनका कहना है कि दुर्घटनाएं रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने होंगे। सामाजिक कार्यकर्ता हरिशंकर मिश्रा ने कहा ग्रामीण सड़कों पर बाइकों और अन्य वाहनों की अनियंत्रित गति के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई दुर्घटनाएं इतनी गंभीर होती हैं कि लोग अपनी जान तक गंवा बैठते हैं। दुर्घटनाएं रोकने के लिए प्रशासन को इन वाहनों पर सख्त कार्रवाई करनी होगी।कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सामाजिक कार्यकर्ता जीवनलाभ दुबे ने कहा कि अनियंत्रित वाहनों के खिलाफ कार्रवाई किए बिना यातायात को सुरक्षित नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा स्थानीय प्रशासन को स्पीड चेकिंग अभियान चलाना चाहिए और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माना लगाना चाहिए। इससे वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित होंगे और दुर्घटनाएं रोकी जा सकेंगी। सामाजिक कार्यकर्ता लालमणि पांडे ने कहा ग्रामीण इलाकों में तेज रफ्तार वाहनों से न केवल पैदल चलने वाले लोग खतरे में हैं बल्कि यह स्कूली बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी जानलेवा साबित हो सकता है। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़कों पर ट्रैफिक पुलिस की गश्त बढ़ाने और स्पीड जांच उपकरणों का उपयोग जरूरी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि भूषण दुबे ने इस मांग का समर्थन करते हुए कहा यातायात नियमों को सख्ती से लागू करना और इसके प्रति लोगों को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। अगर समय पर कदम नहीं उठाए गए तो यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है। ग्रामीणों ने सुझाव दिया है कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़कों पर ट्रैफिक पुलिस की नियमित गश्त के साथ स्पीड चेकिंग अनिवार्य की जानी चाहिए।

जिलाधिकारी ने प्रेसवार्ता कर विद्युत उपभोक्ताओं को एकमुश्त समाधान योजना की दी जानकारी

’जल्दी आए, एकमुश्त भुगतान कर अधिक लाभ पाएं-जिलाधिकारी

’योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को पंजीकरण कराना होगा अनिवार्य

मीरजापुर(एजेंसी)। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कलेक्ट्रेट सभागार मेंप्रेसवार्ता कर विद्युत विभाग की ‘एकमुश्त समाधान योजना 2024–25’ पर विधिवत जानकारी देते हुए बताया कि योजना के तहत सभी श्रेणी के विद्युत उपभोक्ताओं को अपने विलंबित भुगतान अधिकार में छूट मिलेगी। उन्होंने जनपद के उपभोक्ताओं से अपील की है कि योजना का लाभ लेने के लिए जल्दी आए और एकमुश्त भुगतान कर अपने बकाया बिलों में अधिक छूट का लाभ उठाएं। जिलाधिकारी ने बताया कि उपभोक्ताओं के लिए एकमुश्त समाधान योजना तीन चरणों में लागू होगी। यह योजना 15 दिसंबर, 2024 से 31 जनवरी, 2025 तक अर्थात कुल 47 दिनों तक लागू रहेगी। योजना का प्रथम चरण 15 दिसंबर से 31 दिसंबर तक कुल 16 दिन, दूसरा चरण 1 जनवरी से 15 जनवरी तक कुल 15 दिन, तीसरा चरण 16 जनवरी से 31 जनवरी तक कुल 16 दिन रहेगी। योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। पंजीकरण के समय 30 सितंबर 2024 तक के विद्युत बिलों के मूल बकाए का 30 प्रतिशत राशि जमा करना अनिवार्य होगा। उपभोक्ताओं को 30 सितंबर, 2024 तक के बकाया विद्युत बिलों के सरचार्ज में छूट मिलेगी। उपभोक्ताओं को एकमुश्त भुगतान के साथ किस्तों में भी भुगतान का विकल्प मिलेगा। उपभोक्ताओं को 31 दिसंबर 2024 तक योजना के प्रथम चरण मेंअपने विलंबित बिलों का एकमुश्त भुगतान करने पर उनके सरचार्ज में सर्वाधिक छूट मिलेगा। एक किलोवाट भार तक के घरेलू उपभोक्ताओं को योजना के प्रथम चरण में विलंबित बिलों के एकमुश्त भुगतान करने पर उनके सरचार्ज में शतप्रतिशत छूट का लाभ मिलेगा। किसानों को उनके निजी नलकूप में 31 मार्च, 2023 तक के उनके बकाए विद्युत बिलों के विलंबित भुगतान अधिभार में छूट का लाभ लेने के लिए 07 मार्च, 2024 से पंजीकरण कराए जा रहे हैं जिन्हें अभी इस छूट का लाभ मिलता रहेगा। सभी प्रकार के उपभोक्ता अपने नजदीकी विभागीय खंड, उपखंड कार्यालय, कैश काउंटर, जनसेवा केंद्र के माध्यम से या विभागीय वेबसाइट ृण्नचचबसण्वतह पर लागिन कर योजना के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। योजना अंतर्गत घरेलू (एलएमवी–1), वाणिज्यिक (एलएमवी–2), निजी संस्थान (एलएमवी–4बी), औद्योगिक (एलएमवी–6), और स्थायी विच्छेदित उपभोक्ता इसके दायरे में शामिल हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य बिजली उपभोक्ताओं को राहत देना और विलंबित भुगतान अधिभार में छूट प्रदान करना है। इसके तहत उपभोक्ताओं को एकमुश्त भुगतान या किश्तों में भुगतान के विकल्प दिए गए हैं। योजना में पहले चरण में एकमुश्त भुगतान करने पर उपभोक्ताओं को शतप्रतिशत तक की छूट मिलेगी। छूट की दर चरणों के अनुसार घटती जाएगी, जिससे पहले पंजीकरण कराने वाले उपभोक्ताओं को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। इसके बाद उपभोक्ता अपने बकाया बिल का भुगतान एकमुश्त या किश्तों में कर सकते हैं। विलंबित भुगतान अधिभार में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एकमुश्त भुगतान पर प्रथम चरण में 100 प्रतिशत छूट, द्वितीय चरण में 80 प्रतिशत, और तृतीय चरण में 70 प्रतिशत छूट दी जाएगी। वहीं, किश्तों में भुगतान पर प्रथम चरण में छूट क्रमशः 75 प्रतिशत, 65 प्रतिशत और 55 प्रतिशत होगी। वाणिज्यिक, औद्योगिक, और निजी संस्थानों के लिए यह छूट क्रमशः 60 प्रतिशत, 50 प्रतिशत, और 40 प्रतिशत होगी। उपभोक्ता योजना का लाभ उठाने के लिए पंजीकरण विभागीय खंड, उपखंड कार्यालय, जनसेवा केंद्र, या विभागीय वेबसाइट ृण्नचचबसण्वतह के माध्यम से करा सकते हैं। पंजीकरण के लिए नवीनतम बिजली बिल और मोबाइल नंबर अनिवार्य होगा। भुगतान भी इन्हीं माध्यमों से एकमुश्त या किश्तों में किया जा सकता है। यदि उपभोक्ता पंजीकरण के बाद तय समय सीमा में भुगतान नहीं करता, तो उसे योजना का लाभ नहीं मिलेगा, और उसका अधिभार बढ़ा दिया जाएगा। योजना विवादित और न्यायालय में लंबित प्रकरणों का समाधान भी प्रदान करती है, जिसमें उपभोक्ता को भुगतान के बाद अपना केस वापस लेने का वचन देना होगा। इसके अतिरिक्त, नेवर पेड और लान्ग अनपेड उपभोक्ताओं से भुगतान प्राप्त करने पर कलेक्शन एजेंसियों को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा।

क्लीन टायलेट थीम के जरिए शहर को जागरूक करने निकली छात्राओं ने रंगों के संगम के जरिए लोगों को दिया संदेश

मीरजापुर(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार के श्क्लीन टॉयलेट थीमश के जरिए शहरों नगरों के शौचालय को स्वच्छ एवं साफ सुथरा रखने की दिशा में चलाए जा रहे अभियान में छात्राओं की सहभागिता बढ़–चढ़कर देखी जा रही है। लोगों को जागरूक करने निकली मिर्जापुर नगर पालिका क्षेत्र स्थित सरस्वती शिशु मंदिर नारघाट की छात्राओं ने रंगों के संगम के जरिए स्वच्छ शौचालयों का संदेश देते हुए जगह–जगह वॉल पेंटिंग कर नागरिकों को अपने आस–पास खास कर शौचालयों को स्वच्छ रखने का स्वच्छता भरा संदेश दिया है। बताते चलें कि पिछले दिनों नगर पालिका अध्यक्ष मिर्जापुर श्याम सुंदर केसरी ने वॉल पेंटिंग के जरिए कूंची चलाकर छात्राओं के इस अभियान को आगे बढ़ने का काम किया था। छात्राओं की अलग–अलग टोली नगर के विभिन्न हिस्सों में जाकर बाल पेंटिंग के जरिए लोगों को स्वच्छता का संदेश दे रही है। छात्राओं के संग शिक्षिकाएं भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए रंगों के संगम का महत्व बताते हुए इसका स्वच्छता से क्या नाता हो सकता है, लोगों को बताते हुए जागरूक कर रही हैं। छात्राओं का यह अभियान न केवल लोगों के लिए कौतूहल और आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, बल्कि लोगों को इससे प्रेरणा भी मिल रही है। बड़ी संख्या में अन्य छात्राएं भी किशोरिया इस अभियान से जुड़कर अपनी कला कौशल का प्रदर्शन करते हुए बाल पेंटिंग में हिस्सा लेकर श्क्लीन टॉयलेट थीमश्अभियान को गति प्रदान कर रही है।

दिव्यांग खिलाड़ियों ने खेलने व व्हीलचेयर रखने के लिए जगह की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ डीएम के समक्ष रखी अपनी मांगे

मीरजापुर(एजेंसी)। दिव्यांग खिलाड़ियों ने जिलाधिकारी मिर्जापुर से मिलकर नगर के राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) मैदान में दिव्यांग खिलाड़ियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि वह भी खेल के जरिए अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाएं रखनें के साथ–साथ खेलों के जरिए भी अपने कैरियर को आयाम दे सकें. ताज विकलांग सेवा समिति मीरजापुर (उ.प्र.) के तत्वावधान में समिति के जिलाध्यक्ष गोलू अली के नेतृत्व में दिव्यागों ने जिलाधिकारी से मिलकर दिव्यांग खिलाड़ियों को जीआईसी मैदान में खेलने व व्हीलचेयर रखने के लिए जगह उपलब्ध कराये जाने के मांग की. कहा दिव्यांग जनों को व्हील चेयर क्रिकेट राजकीय इण्टर कालेज (जीआईसी) महुवरियां में खेलने के लिए मैदान व खेल में प्रयुक्त होने वाले व्हील चेयर एवं किट रखने के लिए विद्यालय परिसर के अन्दर जगह उपलब्ध कराया जाएं, ताकि दिव्यांग खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर खेलों के जरिए भी जनपद का नाम रोशन कर दिव्यांगता को पछाड़ सकें.जिलाधिकारी से दिव्यांगों ने दिव्यांगजन खिलाडियों की उक्त समस्या पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए दिव्यांग खिलाड़ियों को खेलने हेतु मैदान व खेल में प्रयुक्त होने वाले व्हील चेयर एवं किट रखने के लिए विद्यालय परिसर के अन्दर जगह उपलब्ध कराते हुए दिव्यांग खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन और मनोबल बढ़ाने की अपेक्षा रखते हुए कहा कि वह भी दिव्यांगता को पीछे छोड़ते हुए खेल के क्षेत्र में उच्च मुकाम के शिखर को छूने को आतुर हैं

डीसीएम पर लदे 16 गोवंशों को पुलिस ने किया बरामद, गौ तस्कर मौके से फरार

ड्रमंडगंज, मीरजापुर(एजेंसी)।ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ड्रमंडगंज घाटी के बरम बाबा मंदिर के पास से शुक्रवार सुबह पुलिस ने डीसीएम ट्रक में लदे 16 नर गोवंशों बरामद किया। पुलिस की घेराबंदी को देखते हुए गोवंश लदे डीसीएम को छोड़कर तस्कर मौके से फरार हो गए। मुखबिर की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक ड्रमंडगंज अरविंद सरोज, एसआई भरत राय कांस्टेबल कुलदीप कुमार व अतुल कुमार ड्रमंडगंज घाटी स्थित बरम बाबा मंदिर के पास गोवंश लदे डीसीएम ट्रक का इंतजार करने लगे मंदिर के पास पुलिस को देखकर गौ तस्कर कुछ दूर पहले गोवंश लदे वाहन को छोड़कर मौके से भाग निकले। पुलिस ने बरामद गोवंशों को सुरक्षित महोगढ़ी गौ आश्रय स्थल पर भिजवा दिया है। अज्ञात गौ तस्करों के विरुद्ध गौ वध निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस फरार तस्करों की तलाश में जुट गई है। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार सरोज ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर मध्यप्रदेश की ओर से गोवंशों को लादकर आ रहे डीसीएम ट्रक को ड्रमंडगंज घाटी के बरम बाबा मंदिर के पास इंतजार करने लगे। पुलिस की घेराबंदी देखकर सभी गौ तस्कर डीसीएम वाहन छोड़कर मौके से भाग निकले। वाहन में कुल 16 नर गोवंश बरामद हुए जिन्हें गौ आश्रय स्थल महोगढ़ी भिजवाया गया है। डीसीएम वाहन को सीज कर अज्ञात गौ तस्करों के विरुद्ध गोवध निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर तलाश की जा रही है।

गांवों में बदलाव को नई दिशा देने के लिए हो रहें हैं काम

मीरजापुर(एजेंसी)। लालगंज तहसील क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में पंचायती राज व्यवस्था के तहत हो रहे बदलावों ने गांवों की तस्वीर को एक नई दिशा दी है। अब गांव सिर्फ पुराने दिनों की यादें नहीं बल्कि आधुनिकता और हरित जीवनशैली के उदाहरण बन रहे हैं। अमृत सरोवर तालाब आधुनिक पार्क, वृक्षारोपण और अन्य विकास कार्यों ने गांवों को न केवल आकर्षक बनाया है बल्कि ग्रामीणों की जीवनशैली में भी बड़ा बदलाव लाया है। ग्राम प्रधान कुसुम देवी ने बताया कि गांव में किए गए इस बदलाव से खासकर बुजुर्गों महिलाओं और युवाओं को फायदा हो रहा है। अमृत सरोवर तालाब परिसर में व्यायाम और योग की सुविधाएं दी गई हैं। जिससे ग्रामीणों को अपनी सेहत पर ध्यान देने का मौका मिल रहा है। यह परिसर अब सिर्फ जल संचयन का माध्यम नहीं बल्कि एक शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का केंद्र बन चुका है। खंड विकास अधिकारी बबीता सिंह ने बताया कि अब तक 53 विकास परियोजनाओं के तहत 32 गांवों में अमृत सरोवर तालाब तैयार हो चुका है जो जल संरक्षण के साथ–साथ पर्यावरण की बेहतरी के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम है। यह तालाब गांवों में जीवन के हर पहलू को सुधारने के साथ–साथ ग्रामीणों को रोजगार के अवसर भी दे रहा है। इसके अलावा गांवों में वृक्षारोपण की मुहिम चलाकर लगभग 22 किस्म के फलदार और छायादार वृक्ष लगाए गए हैं। इन वृक्षों में आम, सीताफल, जामुन, नींबू, संतरा, शागौन, पीपल, बेल, बरगद, करौंदा, चिलबिल और कई अन्य प्रकार के पौधे शामिल हैं, जो गांव को हरा–भरा और प्रदूषण मुक्त बनाने में योगदान दे रहे हैं।गांव में किए गए बदलावों का न केवल पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, बल्कि यह गांववासियों को भी एक नया आत्मविश्वास दे रहा है। ध्वजारोहण, बलिदानियों के शीलापट्ट की स्थापना

भारत भारतीयता और भारतीय संस्कृति के मूल तत्व को विश्व के सर्वश्रेष्ठ संविधान के रूप ढालने का कार्य किया

सीतापुर(एजेंसी)। एबीवीपी सीतापुर नगर इकाई द्वारा सामाजिक समरसता दिवस मनाया गया। इस मौके पर डॉ भीमराव राम जी अंबेडकर विचार यात्रा तथा विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया । विचार यात्रा शुभारंभ राजकीय इंटर कॉलेज के प्रांगण से किया गया। यात्रा नगर के जीआईसी चौराहा , जिला अस्पताल चौराहा , कोतवाली चौराहा होते हुए भारत माता की जय , वन्देमातरम , गांव गांव जाएंगे – भारत भव्य बनाएंगे जयघोष के साथ नगर भ्रमण करते हुए फिर जीआईसी प्रांगण में पहुंची। यहां पर यात्रा संपन्न हुई । विचार यात्रा के पश्चात् विद्यालय के सभागार में डॉ भीमराव राम जी अंबेडकर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया । संगोष्ठी में प्रवासी कार्यकर्ता फार्माविजन अखिल भारतीय सह संयोजक आकाश पटेल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत भारतीयता और भारतीय संस्कृति के मूल तत्व को विश्व के सर्वश्रेष्ठ संविधान के रूप ढालने का कार्य डॉ. भीमराव राम जी अंबेडकर ने किया। संगोष्ठी में अपने विचार रखते हुए आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय के प्राचार्य एवं विभाग सह प्रमुख डॉ एस पी सिंह ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि अम्बेडकर जी के एजुटेड,एजीटेड, ऑर्गेनाइज्ड के मन्त्र को युवा शक्ति में अभिसिंचित कर रही है विद्यार्थी परिषद । कार्यक्रम के समापन मेंअभाविप नगर अध्यक्षा आशा सिंह ने परिनिर्वाण दिवस पर अम्बेडकर जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मंच संचालन नगर मंत्री अलख कांत श्रीवास्तव ने किया । कार्यक्रम में विभाग संगठन मंत्री अजय प्रताप शुक्ल , जिला संगठन मंत्री ऋषभ कात्यायन , विभाग छात्रा सह प्रमुख साक्षी शुक्ला , आकांक्षा दीक्षित , शारदा पांडेय , सहर रिजवी , नगर सह मंत्री अनुराग मिश्रा, हर्षित पाण्डेय , शिवरुद्र , अभय सिंह , आयुष मिश्रा , प्रबल बाजपेई ,अमन दीक्षित, श्रेय शुक्ला , प्रिंस मिश्र , हर्षित मिश्रा , अभिनव सिंह , ऐश्वर्य सिंह , अनमोल , आदर्श पाल , विशाल शुक्ला , शिवम श्रीवास्तव , प्रियांशु शर्मा , अमन दीक्षित , आकाश अवस्थी सहित नगर के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाओं सहित नगर इकाई के कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही ।

मिल परिसर में ग्रामीणों के साथ परिजनों ने शव रखकर किया प्रदर्शन

- ठेका मजदूर की ट्रामा सेंटर में उपचार के दौरान मौत

सीतापुर(एजेंसी) हरगांव थाना क्षेत्र के ग्राम बेलीथारा निवासी विनोद यादव 50 वर्ष पुत्र मैकू यादव ठेका मजदूर तथा मिल कालोनी निवासी मिल कर्मी संजय शर्मा 47 वर्ष पुत्र दुर्गाप्रसाद शर्मा की शनिवार सुबह दुखद मृत्यु हो गई।दोनों चीनी मिल हरगांव में काम करते थे तथा दोनों की 4 बजे से 12 रात शिफ्ट की ड्यूटी थी।शुक्रवार शाम दोनों अपनी अपनी ड्यूटी के लिए घर से आए लेकिन संजय शर्मा ड्यूटी पर नहीं गया और विनोद की रात्रि में 12 बजे ड्यूटी समाप्त हो गई।जिसके बाद दोनों आपस मेंं मिलकर बैठे और संजय शर्मा अपने आवास पर चले गए परंतु विनोद यादव वही नशे की हालत में मिले । सुरक्षाकर्मियों को जब यह नशे की हालत में प्रतीत हुए तो विनोद यादव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहाँ से उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वही घर पहुंचने के बाद संजय शर्मा की तबियत अत्यधिक खराब हो गई ।दोनो के परिजन उन्हें ट्रामा सेंटर ओयल लेकर गये जहाँ पर विनोद यादव की मृत्यु हो गई तथा संजय शर्मा की गंभीर हालत देखते हुए उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया जहाँ पर उसकी भी मृत्यु हो गई।मृतक विनोद यादव के परिजन ट्रामा सेंटर से शव को ले आए तथा ग्रामीणों के साथ मिल परिसर में शव रखकर प्रदर्शन करने लगे। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई और क्षेत्राधिकारी सदर संजीव त्यागी भी आ पहुंचे।मामला बढ़ता देख पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कोतवाली देहात प्रभारी निरीक्षक विनय गौतम, इमलिया सुल्तानपुर प्रभारी निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव मय पुलिसबल के घटनास्थल पर आ गए।। मिल प्रशासन व नायब तहसीलदार तथा सी ओ सदर से वार्ता के बाद मृतक के परिजन संतुष्ट हुए।परिजन मृतक के शव को अंतिम संस्कार के लिए लेकर चले गये।

सूत्रों की माने तो दोनों मृतकों ने 12 बजे अपने एक अन्य साथी के साथ कच्ची शराब का अत्यधिक सेवन कर लिया था जिसमें मृतक संजय शर्मा तो घर चला गया लेकिन मृतक विनोद यादव नहीं जा सका और वहीं रुक गया जिसके बाद दोनों की तबीयत अत्यधिक बिगड़ गई और सुबह तक मृत्यु हो गई।

विहीन बनाए गए पंचायत भवन ग्रमीणों ने की शिकायत

सीतापुर(एजेंसी)। विकास खंड सकरन की ग्राम पंचायत कोंशर में वर्ष 2021ध्22 में ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव द्वारा पंचायत भवन का निर्माण कराया गया। करीब 16 लाख रूपये की लागत से भवन का निर्माण कराया गया था। जिम्मेदारों द्वारा पंचायत भवन का निर्माण कराने के बाद बाहर से उसकी रंगाई पुताई व प्लास्टर करवा दिया। लेकिन अंदर न तो प्लास्टर करवाया गया न ही फर्श, दरवाजे तथा न खिडकी लगवाई गई । दरवाजा विहीन पंचायत भवन के भीतर ग्रामीण अपने मवेशी बांध रहे है । मानक विहीन बनवाए गये पंचायत भवन में न तो ग्राम पंचायत की बैठक हो रही है और न ही ग्राम पंचायत के कार्यों का संचालन हो रहा है। पंचायत भवन का कुछ लोग निजी प्रयोग कर रहे हैं। गांव की महिलाएं पंचायत भवन के प्रांगण में कंडे पाथ रही है ग्रामीणों द्वारा इसकी शिकायत आईजीआरएस के माध्यम से उच्चाधिकारियों से की है द्य खंड विकास अधिकारी श्रीश गुप्ता ने बताया मामला जानकारी में नही है, जांच करवाई जाएगी द्य

घटना स्थल का निनरीक्षण करते, अस्पताल में जानकारी लेते आयुक्त, डीआईजी, डीएम, एसपी व मर्चरी में बैठे गमगीन परिजन।

चित्रकूट(एजेंसी)। पिता की अस्थियां विसर्जित कर बोलेरो में रिश्तेदार व परिवार के साथ वापस आते समय सामने से गिट्टी लदे डंपर की भिड़ंत हो गई। जिससे बोलेरो सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। डंपर पलटने से चालक मौके से भाग निकला। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। जहां डाक्टरों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। पांच घायलों को गंभीर दशा के चलते प्रयागराज रेफर किया है। हादसे की सूचना होने पर कमिश्नर, डीआईजी समेत जिले के आला अफसर घटना स्थल का जायजा जिला। जिला अस्पताल पहुंच घायलों की जानकारी ली।

ये दर्दनाक हादसा शुक्रवार को सवेरे करीब पांच बजे रैपुरा में हुआ। बताया गया कि छतरपुर जिले के गुलगंज के जमुना (35) पुत्र स्व कामता अहिरवार अपने पिता की अस्थियां विसर्जन करने के लिए मौसा मंगना अहिरवार (55) पुत्र मोती अहिरवार निवासी रानीताल, ममेरे जीजा मोहन अहिरवार पुत्र लप्पू निवासी देवरान वार्ड आठ, परिवार के अरजना (65) पुत्र उमराव अहिरवार, ससुर हरीराम (50) पुत्र नन्हे, बाबा ससुर नन्हे (70) निवासी कुंडलिया, जमुना की पत्नी फूला (30), पुत्र राज (17), आकाश (14) के साथ बोलेरो स्वामी निसार खान (35) पुत्र चुन्नन खान निवासी मऊखेड़ा समेत एक अज्ञात प्रयागराज गए थे। अस्थियां विसर्जन कर वापस लौटते समय रैपुरा के पास कर्वी की ओर से आए गिट्टी लदे डंपर से आमने–सामने जोरदार टक्कर हो गई। जिससे बोलेरो में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। डंपर चालक वाहन छोड़कर भाग खड़ा हुआ। घटना देख वहां मौजूद लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने आनन फानन सभी घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी। अस्पताल में डाक्टरों ने हरीराम, नन्हे, अरजना, मोहन, मंगना व निसार खान को मृत घोषित कर दिया।

हृदयविदारक दुर्घटना की सूचना मिलते ही डीएम शिवशरणप्पा जीएन, एसपी अरुण कुमार सिंह समेत प्रशासनिक अधिकारी व थाना पुलिस घटना स्थल व जिला अस्पताल पहुंचकर गंभीर घायलों के हाल जानने के बाद डाक्टरों के अनुसार प्रयागराज रेफर किया गया। हादसे की खबर पाकर आयुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी, डीआईजी अजय कुमार सिंह भी घटना स्थल का जायजा लिया। जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों की स्थिति जानी। इस घटना से परिवार में हाहाकार मच गया। पुलिस ने शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है।चित्रकूट। मृतक हरीराम के दो पुत्र, एक पुत्री है। पत्नी का रो–रोकर बुरा हाल है। नन्हे के तीन पुत्र, पत्नी है। अरजना के दो पुत्र हैं। पत्नी की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। वाहन स्वामी निसार खान के एक पुत्र, दो पुत्री, पत्नी कलीजा रो–रोकर बेहाल है। घटना के बाद से मृतकों के परिवार में मातम छाया है।

चौपाल के दौरान स्टाल देखते डीएम शिवशरणप्पा जीएन

चित्रकूट(एजेंसी)। डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में 'गांव की समस्या गांव में समाधान' कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड कर्वी के ग्राम पंचायत अकबरपुर में संपन्न हुआ। जन चौपाल में लगे आयुष्मान कार्ड, कृषि विभाग, मिशन शक्ति, उज्ज्वला योजना, राशन कार्ड, जल जीवन मिशन एवं राजस्व कार्यो से संबंधित लगे स्टाल का अवलोकन किया एवं निर्देशित किया कि जो भी लाभार्थी आते हैं उनका कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए। ग्राम चौपाल में सभी अधिकारियों ने विभागों से संचालित सरकार की योजनाओं को विस्तृत बताया।

जिलाधिकारी ने कहा कि ग्राम चौपाल में सभी अधिकारी उपस्थित रहते हैं। कोई भी समस्या हो तो तत्काल स्टाल पर बताएं एवं उसका निस्तारण संबन्धित अधिकारी कराएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जनपद में विभिन्न योजनाएं संचालित है। जिसका लाभ सभी लोगों को मिले यह सरकार की मंशा है। जिलाधिकारी ने कहा की जन चौपाल के माध्यम से गांव की समस्या गांव में समाधान हो जाए तो आम जनता को कलेक्ट्रेट व तहसील का चक्कर न लगाना पड़े। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा जल्द ही सभी किसानों को गोल्डन कार्ड बनाया जाएगा। इस गोल्डन कार्ड से लोन, किसान सम्मान निधि, खाद व बीज लेना है। उसी से जोड़ दिया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर ने कहा कि यहां पर उपस्थित 70 वर्ष से ऊपर के लोग अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। किसी भी अस्पताल में अपना इलाज करा सकते हैं। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणवासियों से कहा कि एक महीने से 11 महीने तक के बच्चे का जो टीकाकरण नहीं हुआ है उसे कराए नहीं तो गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने उपस्थित ग्राम प्रधान से भी कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय बनवाए गए हैं उसका उपयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि पालीथीन का इस्तेमाल न करें। कपड़े की थैली का प्रयोग किया जाए। जिससे आने वाले समय में स्वच्छता बनी रहे। उन्होंने कहा कि सभी की जिम्मेदारी है सरकार की योजनाओं का लाभ सभी लोगों तक पहुंचे। इस दौरान डीसी एनआरएलएम ओपी मिश्रा, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ सुभाष चंद्र, जिला पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा, जिला पूर्ति अधिकारी आनंद सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, जिला प्रोवेशन अधिकारी पंकज मिश्रा, ग्राम प्रधान गुडिया देवी सहित ग्रामीण मौजूदद रहे।

विन्ध्य पण्डा समाज के चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत पण्डा समाज के बिन्दुवार विस्तृत समीक्षा कर प्रगति के बारे में जानकारी

मीरजापुर(एजेंसी)। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कलेक्ट्रेट सभागार में श्री विन्ध्य पण्डा समाज के चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराए जाने व चुनाव सम्बन्धी अन्य व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में विन्ध्य विकास परिषद की बैठक आहूत की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी शिव प्रताप शुक्ल, अपर पुलिस अधीक्षक नितेश सिंह, डिप्टी कलेक्टर शक्ति प्रताप सिंह, अध्यक्ष विन्ध्य पण्डा समाज पंकज द्विवेदी, पदाधिकारीगण अनुज पाण्डेय, विभूति कुमार मिश्रा, भानू पाठक, गुंजन मिश्रा तेजमणि, गौतम द्विवेदी उपस्थित रहें। बैठक में जिलाधिकारी व पण्डा समाज द्वारा चुनाव को शान्तिपूर्ण व निष्पक्ष सम्पन्न कराए जाने हेतु विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि विन्ध्य विकास प्राधिकरण के बाईलाज में प्रति परिवार मुखिया द्वारा निर्धारित शुल्क जमा किया जाना है जिन्होंने अभी तक जमा नही किया वे चुनाव से पूर्व निर्धारित शुल्क जमा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मुख्यिावार एक सूची बनाकर नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय में उपलब्ध करा दे ताकि चुनाव के दौरान पहचान पत्र जारी करने में कोई दिक्कत न हो। तत्पश्चात उत्तर प्रदेश विन्ध्य धाम तीर्थ विकास बैठक में निर्माणाधीन परियोजनाओं की बिन्दुवार विस्तृत समीक्षा करते हुए सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं को कार्य समय पूर्ण करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माण कार्यो की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए मेरे द्वारा स्वंय व पर्यटन विभाग के अधिकारी से निरीक्षण कराने पर यदि गुणवत्ता खराब पाई जाती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर शक्ति प्रताप सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद गोवा लाल सहित कार्यदायी संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहें।

डम्फर ने स्कूल बस में मारी टक्कर, आधा दर्जन बच्चे चोटिल

मसौली, बाराबंकी(एजेंसी)। गोण्डा बहराइच हाइवे पर ओवरब्रिज के निकट बाबा गुरुकुल अकादमी की बस में पीछे से टक्कर मार कर डम्फर डिवाइडर में घुस गया। जिससे बस में सवार बच्चे चोटिल हो गये, जिनको जिला अस्पताल उपचार के बाद स्कूल भेज दिया गया। सूचना पर पहुंची मसौली पुलिस ने बस चालक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की बात कही है। थाना क्षेत्र मसौली के गोण्डा बहराइच हाइवे पर संचालित बाबा गुरुकुल अकादमी की बस सुबह बच्चों को घर से विद्यालय लेकर फलाई ओवर से स्कूल के लिए मुड़ रही रही थी। तभी पीछे से पत्थर से लोड डम्फर चालक जिला कानपुर निवासी कल्लू पुत्र रामबाबू जो कि रामनगर की ओर जा रहा था। स्कूल बस में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बस के पीछे का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद डम्फर डिवाइडर में घुस गया। जिसमें स्कूल के छात्र रितिका मिश्रा उम्र 16 वर्ष, आयुष सिंह उम्र 8 वर्ष, आयुष शर्मा उम्र 8 वर्ष, कृष्णा जायसवाल उम्र 4 वर्ष, सईद फरहान उम्र 20 वर्ष, आनंद जायसवाल उम्र 18 वर्ष, मो. अहहान उम्र 15 वर्ष व श्रेया रस्तोगी उम्र 8 वर्ष चोटिल हो गये एवं बस में सवार अन्य बच्चे भयभीत हो गए। सभी घायल बच्चों को आनन फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसमें अधिकांश बच्चों को उपचार के बाद विद्यालय को भेज दिया गया। थाना प्रभारी यशकांत सिंह ने बताया कि बस चालक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज क अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

दो महिला तस्कर गिरफ्तार, 11 किलो चरस बरामद

रामनगर, बाराबंकी(एजेंसी)। रेलवे सुरक्षा बल बुढ़वल के प्रभारी निरीक्षक अजमेर सिंह यादव ने अपने सहयोगियों के साथ ट्रेनों पर चेकिंग अभियान चलाकर दो महिला तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 11 किलो चरस बरामद की। प्रभारी निरीक्षक ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर दो महिला तस्करों को जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक अजमेर सिंह यादव ने चेकिंग के दौरान बिहार प्रांत के जिला पष्चिम चम्पारण के थाना मझौलिया के ग्राम सेनवारिया निवासिनी भागमती देवी पत्नी रामलाल व इसी गांव की निवासिनी ज्योति देवी पत्नी गारद साहनी को धर दबोचा और उनके पास से 11 किलो चरस बरामद की। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय कीमत लगभग 5.5 करोड रुपये आंकी गयी। दोनों महिला तस्करों द्वारा बताया गया कि उनको चरस की खेप संगीता नामक महिला द्वारा दी गई थी जिसे वे सगौली जंक्शन से कोटा जंक्शन किसी को सुपुर्द करने हेतु लेकर जा रहीं थी जो उन्हें कोटा में आकर मिलता जिसका मोबाइल नंबर संगीता के पास है उनके पास नहीं है।

दिव्यांग बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने पर हुई चर्चा

मसौली, बाराबंकी(एजेंसी)। विकास खण्ड मसौली के ब्लाक संसाधन केंद्र बड़ागांव में समग्र शिक्षा अभियान के इनवायरमेंट विल्डिंग प्रोग्राम के अन्तर्गत दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों की संगोष्ठी के का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी फिजा मिर्जा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी फिजा मिर्जा ने दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से अभिभावकों को दिव्यांगता के कारण, बचाव एवं इन बच्चों को सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित 50 बच्चों के अभिभावकों ने प्रतिभाग किया। अभिभावकों को स्पेशल एजूकेटर कमलेश कुमार ने दिव्यांगता के कारण निवारण एवं शिक्षण के बारे में जानकरी दी। स्पेशल एजूकेटर एकता सक्सेना ने इन बच्चों को घर पर कैसे प्रशिक्षित करना है उसके बारे में अभिभावकों को जानकरी दी। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों एवं शिक्षकों ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर एआरपी विवेक गुप्ता, शिक्षक संजय श्रीवास्तव, विष्णनाथ वर्मा, सुरेश चंद्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पशुपालकों को सरकार दे रही है लाभः साकेन्द्र वर्मा

बड्डुपुर, बाराबंकी(एजेंसी)। विकास खंड निन्दूरा क्षेत्र के जजियामऊ में पशुपालन विभाग की ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य मेला का आयोजन शुक्रवार को किया गया। पशु आरोग्य मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक कुर्सी साकेंद्र प्रताप वर्मा ने किया। स्वास्थ्य शिविर में 475 मवेशियों का इलाज किया गया।साथ ही पशुपालकों को कीड़े की दवा, मिनेरल्स पाउडर का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि ने गौ माता को माला पहनाकर तथा तिलक लगाकर पूजन भी किया। कार्यक्रम में उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि सरकार किसानों के लिए कई योजनाएं चला रही है। इसमें पशुधन योजना भी शामिल है। पशुपालकों के लिए निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना भी चलाई जा रही है। इसके तहत पशुपालक गौशाला से गोवंश ला सकता है। उनके भरण–पोषण के लिए सरकार प्रति गोवंश प्रतिमाह 1500 रुपये का अनुदान पशुपालक को देगी। एक पशुपालक अधिकतम चार गोवंश ले सकता है। सरकार किसानों की समस्या के प्रति गंभीर है। विधायक ने सरकार की चल रही कल्याणकारी योजनाओं की ग्रामीणों को जानकारी दी। मेला में डॉक्टर के द्वारा पशुओं को कराए जाने वाली टैगिग व बीमारी तथा उपचार के बारे में विस्तृत रूप से बताया। साथ में यह भी बताया कि पंजीकरण कराए गए गोवंश का निशुल्क गर्भाधान कराया जाता है, जिससे उत्पन्न होने वाला गोवंश 95 प्रतिशत बछिया होती है। इस मौके पर विनय मौर्या मंडल अध्यक्ष निंदूरा, विशाल सिंह, डॉ संजय कुमार सिंह, डॉ विकास वर्मा, डॉ शशि विक्रम सिंह, अशोक रावत, दिनेश सिंह तोमर, योगेंद्र पटेल, धर्मेंद्र गुप्ता अरविंद मौर्य, उपस्थित रहे।

पानी के बहाव को देखकर करायी जा रही मेड़बंदी: अमिताभ

सिद्धौर बाराबंकी(एजेंसी)। भूमि कटाव रोकने और जलस्तर बढ़ाने के उद्देश्य से भूमि संरक्षण विभाग द्वारा वृहद पैमाने पर खेतों की मेडबंदी कराई जा रही है। मेडबंदी से जहां भूमि का कटाव कम होगा वहीं खेतों की उर्वरा शक्ति भी बढ़ जाएगी। भूमि संरक्षण विभाग द्वारा विकास खंड बनीकोड़र के गैरिया गांव में गोमती की तराई में स्थित खेतों की मेडबंदी का कार्य कराया जा रहा है। गांव के निवासी समाजसेवी ओम प्रकाश अवस्थी ने बीते दिनों भूमि संरक्षण अधिकारी (गोमती) बाराबंकी सौरभ कुमार से मिलकर खेतों की मेडबंदी कराने के संबंध में मांग पत्र दिया था। उनके इस पत्र पर सर्वे कराकर विभाग द्वारा गोमती की तराई में स्थित खेतों की मेडबंदी शुरू करवाई गई।

अमिताभ बच्चन ने की आई वांट टु टाक की तारीफ

Vभिषेक बच्चन की आई वांट टू टॉक पिछले महीने रिलीज हुई थी, जिस पर उनके सबसे बड़े क्रिटिक और चीयरलीडर यानी उनके पिता अमिताभ बच्चन ने एक बार फिर रिएक्शन दिया है। अमिताभ बच्चन

पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर अभिषेक की जादुई परफॉर्मेंस और फिल्म का प्रचार करने में व्यस्त हैं। इस बार अमिताभ बच्चन ने अभिषेक बच्चन के एक फैन के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए बेटे की तारीफों के पुल बांधे। अमिताभ ने बेटे अभिषेक के फैन का पोस्ट री–शेयर किया और लिखा– बहुत ही गहरा और योग्यता से भरपूर।। आई वांट टू टॉक में आपकी इंसानियत और एक अभिनेता के रूप में किसी भी तरह का घमंड ना दिखाना ही आपको सबसे बेहतर बनाता है। ईश्वर कृपा, दादा जी दादी का आशीर्वाद, और पूरे परिवार का स्नेह और प्यार, सदा! अमिताभ बच्चन आई वांट टू टॉक की रिलीज से पहले ही अभिषेक बच्चन की इस फिल्म का प्रचार कर रहे हैं। वह एक्स पर लगातार इस फिल्म और फिल्म में अभिषेक की परफॉर्मेंस की तारीफ करते दिखाई दिए हैं। इससे पहले उन्होंने एक फिल्म पर अपना रिव्यू शेयर करते हुए लिखा था– जादुई एक शब्द है। मेरा प्यार आशीर्वाद और बहुत कुछ। अपनी बात जारी रखते हुए उन्होंने आगे लिखा था– मेरे बेटे, बेटे होने से मेरे उत्तराधिकारी नहीं होंगे, जो मेरे उत्तराधिकारी होंगे वो मेरे बेटे होंगे। अभिषेक मेरे बेटे, मेरे उत्तराधिकारी। ¼fgQ½

लापता लेडीज से नितांशी ने दुनिया में बनाई पहचान

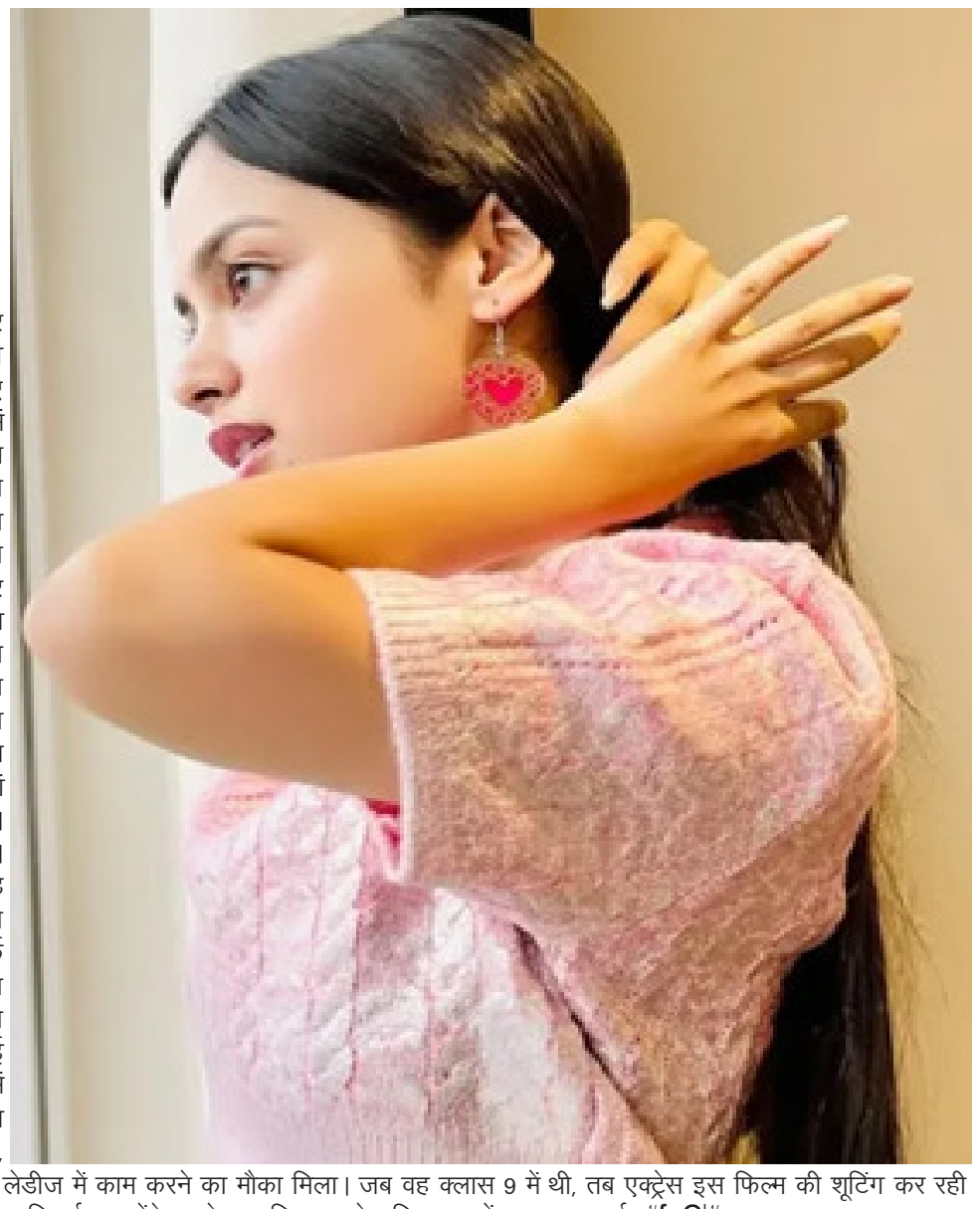

,क्ट्रेस ने बतौर बाल कलाकार कई हिट टेलीविजन शो और फिल्मों में काम किया और अपनी क्यूटनेस के साथ–साथ एक्टिंग से भी दर्शकों का दिल जीता है। वह न केवल अपने काम के लिए बल्कि अपने फैशन सेंस के लिए भी चर्चा में रहती हैं। इंड्रस्टी में तहलका मचा रही ये एक्ट्रेस आज करोड़ों की मालकिन है, लेकिन एक समय ऐसा था जब वह अपने परिवार के साथ सादा जीवन जी रही थीं। हालांकि, आमिर खान, किरण राव और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित हिट फिल्म लापता लेडीज में लीड रोल के बाद उनकी फिल्मी दुनिया में एक अलग पहचान बन गई, जिसका उन्हें इंतजार था। हम नितांशी गोयल की बात कर रहे हैं। 12 जून 2007 को नोएडा, उत्तर प्रदेश में जन्मी नितांशी गोयल एक मिडिल क्लास फैमिली हिंदू परिवार में पली–बढ़ी हैं। नितांशी गोयल की इस शानदार सफलता के पीछे उनके पिता नितिन गोयल और मां राशि गोयल का हाथ है। नितांशी ने बताया कि आपके माता–पिता से ज्यादा निस्वार्थ भाव से कोई आपको प्यार नहीं कर सकता। दोनों ने ही मेरी जिंदगी बनाने के लिए अपनी–अपनी नौकारी छोड़ दी। मैं सिर्फ एक्टिंग करना चाहती थी और टीवी पर आना चाहती थी। बस इसी छोटी सी खुशी के लिए, मेरे पिता ने अपना बिजनेस छोड़ दिया और वे यहां नौकरी करने लगे। मेरी मां ने अपनी सरकारी नौकरी छोड़ दी और वे मेरे साथ यहां रहने लगीं। यह सब सिर्फ इसलिए क्योंकि मैं एक एक्टर बनना चाहती थीं। नितांशी गोयल ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट इश्कबाज, नागार्जुन की एक योद्धा, थपकी प्यार की, कर्मफल दाता शनि, पेशवा बाजीराव और डायन जैसी कई फिल्मों और शो के लिए काम किया। इनमें से हर एक सीरीज में नितांशी ने अपनी एक्टिंग और शानदार परफॉरमेंस से दर्शकों को अपना दीवाना बन दिया। वहीं नितांशी गोयल को आमिर खान, किरण राव और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित हिट फिल्म लापता लेडीज में काम करने का मौका मिला। जब वह क्लास 9 में थी, तब एक्ट्रेस इस फिल्म की शूटिंग कर रही थीं। नितांशी ने इस ब्लॉकबस्टर फिल्म में फूल कुमारी की भूमिका निभाई। उन्होंने अपने इस किरदार से दुनिया भर में पहचान बनाई। ¼fgQ½

थनिक लुक में राशि खन्ना ने इंटरनेट पर बरपाया कहर, एक्ट्रेस की हाटनेस देख यूजर्स खो बैठे होश

बॉलीवुड एक्ट्रेस राशि खन्ना 'द साबरमती रिपोर्ट' को लेकर काफी चर्चाओं में बनी हुई हैं। इस फिल्म में उन्होंने बतौर लीड एक्ट्रेस के तौर पर भूमिका निभाई हैं। हालांकि दर्शकों को उनकी एक्टिंग काफी पसंद भी आ रही है। अब हाल ही में एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

साउथ और बॉलीवुड की खूबसूरत हसीना राशि खन्ना आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस राशि खन्ना ने डार्क ग्रीन कलर का सूट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और हॉट पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

कानों में बड़े इयररिंग्स और नो मेकअप लुक कर के साथ ही न्यूड शेड

फिल्म रामायण के लक्ष्मण बनेंगे रवि दुबे

जणबीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर फिल्म रामायण पिछले 1 साल से चर्चा में है। नीतीश तिवारी की फिल्म रामायण 2026 में रिलीज होने के लिए तैयार है। अब मुख्य स्टारकास्ट रामायण की प्रोडक्शन टीम द्वारा पूरी कर ली गई है और टीवी अभिनेता रवि दुबे को लक्ष्मण के रूप में चुना गया है। टीवी के हैंडसम स्टार रवि दुबे रणबीर कपूर की मोस्ट अवेटेड आने वाली फिल्म रामायण में लक्ष्मण का किरदार निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। टीवी एक्टर रवि ने खुद इस खबर की पुष्टि करते हुए कहा, हां, मैं अपने निर्माताओं की अनुमति से रामायण में लक्ष्मण का किरदार निभा रहा हूं। मैं नमित सर, नितेश सर को मुझे चुनने और मुझ पर विश्वास दिखाने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। रवि दुबे एक मशहूर टीवी स्टार हैं, जिन्होंने 16 से ज्यादा टीवी शोज में काम किया है। उनका जन्म 23 दिसंबर 1983 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में हुआ था। रवि ने अपने करियर की शुरुआत 2006 में प्रसिद्ध टीवी धारावाहिक सीआईडी से की थी, जिसमें उन्होंने रोनित नाम का किरदार निभाया था। इस सीरियल से रवि को थोड़ी पहचान मिली और उन्होंने शोबिज की दुनिया में अपनी जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। इसके तुरंत बाद रवि को 2007 में अपना टीवी सीरियल 'बाबुल की बिटिया चली डोली सजा के' मिला। इस सीरियल में रवि ने वीर कपूर की भूमिका निभाई। कुछ सीरियल और किरदार के बाद रवि मशहूर हो गए। अपने संघर्ष के दिनों में रवि को अभिनेत्री सरगुन मेहता से प्यार हो जाता है। कुछ महीनों की डेटिंग के बाद उन्होंने 2013 में शादी कर ली थी। निर्देशक नितीश तिवारी, जो दंगल और छिछोरे जैसी अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, 2026 में अपनी रामायण फिल्म से तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। ¼fgQ½

प्रियंका चोपड़ा हिंदी सिनेमा में वापसी को तैयार, बोलीं- मैं कुछ अलग तलाश रही हूं

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक अपने अभिनय का परचम लहराने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारतीय सिनेमा में अपनी वापसी को लेकर चर्चा में हैं।उन्हें आखिरी बार हिंदी फिल्म द स्काई इज पिंक में देखा गया था, जिसमें वह फरहान अख्तर के साथ नजर आईं। यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई थी और प्रियंका पिछले 5 साल से हिंदी सिनेमा से दूर हैं।अब प्रियंका ने हिंदी फिल्म करने के संकेत दिए हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

प्रियंका ने कहा, मैं कई निर्माताओं से मिलती हूं और कहानी पढ़ती हूं। हिंदी फिल्मों में मैं अलग तरह का रोल तलाश रही हूं। यह साल मेरे लिए वाकई बहुत व्यस्त रहा, लेकिन मेरे पास कुछ है। मैं आप सब लोगों को जल्द बताऊंगी।इसके अलावा जब प्रियंका से फिल्म जी ले जरा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

फरहान ने अपनी फिल्म जी ले जरा की घोषणा 2021 में की थी, लेकिन अभी तक उनकी यह फिल्म शुरू नहीं हो पाई है।इसकी स्टाकरस्ट और कहानी से जुड़ीं कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं, वहीं कई बार फिल्म के डिब्बा बंद होने की खबरें भी सामने आईं।

मां से योद्धा बनीं नयनतारा, हाथों में हथियार लेकर दुश्मनों को किया लहूलुहान रक्कायी से उनकी पहली झलक आई सामने,

साउथ सिनेमा की लेडी सुपरस्टार कही जाने वाली नयनतारा अपने 40 साल जन्मदिन पर उनकी जीवन पर बनी डॉयक्यूमेंट्री नयनतारारू बियॉन्ड द फेयरीटेल रिलीज किया गया. वहीं, एक्ट्रेस के खास दिन पर ड्रमस्टिक्स प्रोडक्शंस ने एक नई फिल्म का एलान कर फैंस को खुश कर दिया है.

ड्रमस्टिक्स प्रोडक्शंस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर नयनतारा के फैंस को तोहफा देते हुए उनकी नई फिल्म के टाइटल टीजर का एलान किया है. उन्होंने फिल्म से नयनतारा का धांसू पोस्टर जारी करते हुए टाइटल का खुलासा किया है और कैप्शन में टीजर का लिंक साझा करते हुए लिखा है, युद्ध शुरू हो गया है. लेडी सुपरस्टार नयनतारा की रक्कई का धमाकेदार टाइटल टीजर पेश है. उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं.

पोस्टर में नयनतारा अपने दोनों हाथों में हथियार लिए नजर आ रही हैं. उनके चेहरे पर एग्रेशन साफ नजर आ रहा है. वहीं रक्कई के टीजर की बात करें सेंथिल नल्लासामी की निर्देशित फिल्म के टीजर में नयनतारा को एक ऐसी मां के अवतार में दिखाया गया है, जो अपने बच्चे की सुरक्षा के लिए योद्धा बन जाती है.

रक्कई के टीजर की शुरुआत बच्चे के रोने की आवाज से शुरू होती है. इसके बाद एक खुले मैदान की झलक दिखाई जाती है, जहां एक झोपड़ी, जिसमें

से बच्चे के रोने की आवाज आती है, के बाहर मशाल लिए दुश्मन की सेना नजर आती है. इस दौरान बच्चे की झलक दिखाई जाती है, जो भूखा रहता है. इसके बाद नयनतारा की झलक दिखाई गई है. वह अपने दुश्मनों से लडने और अपने बच्चे को शांत कराने की तैयारी करती हैं. वह ओखली में लाल मिर्च का पाउडर तैयार करती नजर आती है.इसके बाद वह बच्चे को दूध पिलाकर उसे झूले में सुला देती है. इस बीच दुश्मन की सेना उन पर वार करने के लिए उनकी झोपड़ी को ओर दौड़ पड़ते हैं. बच्चे को सुलाने के बाद नयनतारा हाथ में हथियार लेकर दुश्मनों से जंग करने मैदान में उतरती हैं. वह दुश्मनों को लहूलुहान करते हुई नजर आती हैं. टीजर का आखिरी में नयनतारा को झूले में सोए बच्चे साथ दिखाया जाता है. इस बीच फिल्म के टाइटल का खुलासा होता है. नयनतारा का यह एक्शन अवतार उनके फैंस को काफी पंसद आया है.उधर, नयनतारा ने रक्कई का टीजर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, एक ऐसी भूमि में जहां न्याय केवल एक स्मृति मात्र है. एक मां, जिसकी दुनिया उसका बच्चा था. लेकिन जब उसकी बच्चे की जान को एक राक्षस से खतरा होता है. तो वह भागती नहीं... वह डगमगाती नहीं. इसके बजाय, वह जंग का एलान करती है.नयनतारा ने अपने जन्मदिन से एक दिन पहले अपने फैंस को अपनी अपकमिंग फिल्म का पोस्टर साझा किया, जिसमें वह अकेले दुश्मनों के सामने निडर होकर खड़ी नजर आ रही है. हाथ में भाला लिए नयनतारा का ये अवतार किसी बड़े युद्ध का संकेत दे रही है. पोस्टर पर बड़े अक्षरों में लिखा है, उसने जंग का एलान किया है. एक्ट्रेस के इस पोस्टर को कई सोशल मीडिया यूजर्स ने साउथ स्टार धनुष के साथ चल रहे उनके अनबन से जोड़ा है.इससे पहले नयनतारा ने अपनी बायोग्राफी डॉक्यूमेंट्री नयनतारारू बियॉन्ड द फेयरीटेल का पोस्टर शेयर कर बताया कि उनकी डॉक्यूमेंट्री अब नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है.

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 10 दिसंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

आस्ट्रेलिया ने ली बढ़त, हेड और लाबुशेन के अर्धशतक, चाय ब्रेक तक स्कोर-191/4

एडिलेड, 7 दिसंबर। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने फिलहाल 11 रनों की बढ़त ले ली है और उसके पास अभी 6 विकेट बाकी हैं। डे–नाइट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को पहली पारी में 180 रनों पर समेटने के बाद दूसरे दिन चाय ब्रेक तक 4 विकेट के नुकसान पर 191 रन बना लिए हैं।

इससे पहले मिशेल स्टार्क की शानदार गेंदबाजी के चलते भारत की पारी 180 रनों पर ढेर हो गई थी और ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन 1 विकेट पर 86 रनों का स्कोर बना लिया था।दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने इस स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। कंगारुओं ने दूसरे दिन की शुरुआत करते हुए पहला विकेट नाथन मैकस्वीनी के रूप में गंवाया। नाथन मैकस्वीनी, को बुमराह ने पंत के हाथों विकेट के पीछे कैच आउट कराया। नाथन मैकस्वीनी, ने 109 गेंदों पर 39 रनों की पारी खेली।

इसके बाद बुमराह ने स्टीव स्मिथ को 2 रनों के निजी स्कोर पर आउट करके भारत को बड़ी सफलता दिलाई। स्मिथ को भी पंत ने विकेट के पीछे कैच आउट किया। हालांकि इसके बाद ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन के बीच बढिया अर्धशतकीय साझेदारी ने मेजबान टीम को बढ़त की ओर अग्रसर कर दिया।

भारत को डिनर ब्रेक से पहले नीतीश कुमार रेड्डी ने बड़ी सफलता दिलाते हुए 64 रनों के स्कोर पर खेल रहे लाबुशेन को आउट कर दिया। लाबुशेन ने 126 गेंदों पर 64 रनों की पारी खेली और 9 चौक लगाए। लाबुशेन को यशस्वी जायसवाल ने आउट किया।

दूसरे दिन चाय ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया ने 59 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 191 रन बना लिए हैं। ट्रेविस हेड 67 गेंदों पर 53 रनों की आक्रामक पारी खेलकर क्रीज पर टिके हुए हैं। उन्होंने अभी तक 2 छक्के भी लगाए हैं। दूसरे छोर पर मिशेल मार्श 2 रन बनाकर उनका साथ दे रहे हैं।

भारतीय गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह ने शानदार बॉलिंग करते हुए 15 ओवर में 23 रन देकर 3 विकेट लिए। नीतिश रेड्डी ने 5 ओवर में 18 रन देकर 1 विकेट लिया। फिलहाल मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा और आर अश्विन को अपने विकेट की तलाश है।

उल्लेखनीय है कि पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट भारत के नाम रहा था। भारत ने पर्थ में 295 रनों की शानदार जीत दर्ज की थी।

ओमान में महिला जूनियर एशिया कप में भारत की नजर खिताब बचाने पर

मस्कट, 7 दिसंबर। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ओमान के मस्कट में महिला जूनियर एशिया कप में भाग लेने के लिए पूरी तरह तैयार है, क्योंकि उनका लक्ष्य पिछले साल का अपना खिताब बचाना है। 7 से 15 दिसंबर तक होने वाला यह टूर्नामेंट एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 के लिए क्वालीफाइंग इवेंट भी है, जो चिली में आयोजित किया जाएगा।

भारत का नेतृत्व कोच तुषार खांडेकर, कप्तान ज्योति सिंह और उप कप्तान साक्षी राणा करेंगे। टीम में दीपिका, वैष्णवी विक्रूल फाल्के, सुनीता टोप्पो और मुमताज खान जैसी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो पिछले साल की खिताबी जीत के बाद से सीनियर टीम के लिए खेल रही हैं और टूर्नामेंट के दौरान बाकी खिलाडियों का मार्गदर्शन करेंगी। 2023 में, भारत ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को 2–1 से हराकर पहली बार खिताब जीता।भारत को पूल ए में रखा गया है और उसका मुकाबला चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश से होगा। पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग और श्रीलंका शामिल हैं।प्रत्येक टीम अपने पूल में प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी से एक बार खेलेगी और प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें न केवल सेमीफाइनल में जगह पक्की करेंगी, बल्कि अगले साल एफआईएच जूनियर विश्व कप में भी जगह बनाएंगी। प्रत्येक पूल में तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम जूनियर विश्व कप में अंतिम स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।कप्तान ज्योति सिंह ने कहा, हम मैदान पर उतरने और टूर्नामेंट की मजबूत शुरुआत करने के लिए उत्साहित हैं। खिताब का बचाव करना चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन मुझे यकीन है कि टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी और अपने देश को गौरवान्वित करेगी। यह टूर्नामेंट बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि जूनियर विश्व कप के लिए योग्यता दांव पर है, इसलिए हम फिर से खिताब जीतने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।उप कप्तान साक्षी राणा ने कहा, टीम ने टूर्नामेंट से पहले कड़ी मेहनत की है और अब प्रदर्शन करने का समय है। हमारे पास बहुत प्रतिभा और जुनून वाली एक अनुभवी टीम है। हमें विश्वास है कि हम अपने खिताब का बचाव कर सकते हैं।भारतीय टीम अपना पहला मैच रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ 20रू30 (भारतीय समयानुसार) बजे खेलेगी। अगर भारत पूल ए में शीर्ष दो टीमों में से एक के रूप में समाप्त होता है, तो वे सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगे जो 14 दिसंबर को खेला जाएगा। दोन

आरबीआई के यथार्थवादी रुख से भारतीय शेयर बाजार में सकारात्मकता बरकरार

मुंबई, 7 दिसंबर। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की ओर से भारत में सकारात्मक रुख के बीच, भारतीय शेयर बाजार ने पूरे सप्ताह सकारात्मक रुख बरकरार रखा। शनिवार को विशेषज्ञों ने इसका कारण अक्टूबर में कोर सेक्टर के उत्पादन और सेवा पीएमआई आंकड़ों में स्थिरता के संकेतों को बताया।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा नरम मौद्रिक नीति की उम्मीद में एफआईआई द्वारा भारत लौटने से भी बाजार की धारणा को समर्थन मिला।जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025 के लिए अपने विकास पूर्वानुमान में संशोधन कर अधिक यथार्थवादी रुख अपनाया है। सीआरआर में 50 आधार अंकों की कटौती कर फाइनेंशियल सिस्टम में लिक्विडिटी बढ़ाने के साथ ही आरबीआई ने दोहराया है कि व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखना महत्वपूर्ण है।शुक्रवार को बाजार सपाट बंद हुआ। सेंसेक्स 81,709.12 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 24,677.80 पर बंद हुआ। निफ्टी 24,650 के महत्वपूर्ण सपोर्ट लेवल से ऊपर स्थिर बना हुआ है।सैमको सिक्योरिटीज के तकनीकी विश्लेषक ओम मेहरा ने कहा, प्राथमिक रुझान सकारात्मक बना हुआ है, क्योंकि निफ्टी डोन्चियन चौनल (डोन्चियन द्वारा विकसित बाजार व्यापार में इस्तेमाल किया जाने वाला संकेतक) के ऊपरी बैंड के पास कारोबार कर रहा है, जो उच्च स्तर पर चल रहा है। यह संभावित तेजी का संकेत है।इसके अतिरिक्त, भारत का अस्थिरता सूचकांक (वीआईएक्स) 15 अंक से नीचे है, जो अस्थिरता में कमी और बाजार में कम भय का संकेत देता है।निवेशक अब गति वाले शेयरों को इकट्ठा कर रहे हैं क्योंकि सरकारी पूंजीगत व्यय में अपेक्षित वृद्धि इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में इन्फ्रा, पूंजीगत सामान, रियल्टी, सीमेंट और धातु उद्योगों को कुछ प्रोत्साहन दे सकती है।केंद्रीय बैंक द्वारा लिक्विडिटी बढ़ाने के बीच पीएसयू बैंकों ने बेहतर प्रदर्शन किया। बाजार पर नजर रखने वालों ने कहा कि फरवरी की मौद्रिक नीति बैठक के लिए दृष्टिकोण भी सकारात्मक रहा क्योंकि चौथी तिमाही में मुद्रास्फीति में नरमी आने की संभावना है, जिसे सब्जियों की कीमतों, खरीफ की फसल की आवक और अनुमानित रबी उत्पादन में सुधार से बल मिलेगा।मुद्रास्फीति, हालांकि थोड़ी अधिक है, लेकिन नियंत्रण में बनी रह सकती है। असित सी मेहता इन्वेस्टमेंट इंटरमीडिएट्स लिमिटेड के संस्थागत अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ भामरे ने कहा कि मिट्टी की नमी, जलाशयों का स्तर, मौसमी सर्दियों की सब्जियों की कीमत में सुधार जैसे कारक बताते हैं कि खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट का रुख दिख सकता है, जो चिंता का विषय है।आने वाले सप्ताह के लिए, बाजार की दिशा अमेरिकी पेरोल और अमेरिकी सीपीआई मुद्रास्फीति के आंकड़ों के जारी होने से प्रभावित होगी।

मान्यता प्राप्त स्टार्टअप ने 16.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर किए पैदा

नई दिल्ली, 7 दिसंबर। हाल ही में संसद को दी गई जानकारी के अनुसार, भारत में मान्यता प्राप्त स्टार्टअप ने 55 से अधिक विभिन्न उद्योगों में 16.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने राज्यसभा को एक लिखित उत्तर में बताया कि आईटी क्षेत्र में रोजगार की कुल संख्या 2,04,119 रही, जो कि सबसे अधिक थी। इसके बाद हेल्थ केयर एंड लाइफ साइंस में पदार्थ क्षेत्र में 88,468, कृषि क्षेत्र में 83,307 और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षेत्र में 23,918 रोजगार सृजित हुए।

भारत में वर्तमान में 1,46,000 से अधिक डीपीआईआईटी –मान्यता प्राप्त स्टार्टअप और 100 से अधिक यूनिकॉर्न हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत, सरकार स्टार्टअप इकोसिस्टम के विकास और वृद्धि तथा देश में रोजगार सृजन को बढ़ाने के लिए लगातार विभिन्न प्रयास करती है।

प्रमुख योजनाएं स्टार्टअप के लिए फंड ऑफ फंड्स (एफएफएस), स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस) और स्टार्टअप के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम (सीजीएसएस) हैं, जो अपने बिजनेस साइकल के अलग–अलग चरणों में स्टार्टअप का समर्थन करती हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग, राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार और इनोवेशन वीक सहित समय–समय पर अभ्यास और कार्यक्रम भी लागू किए हैं जो स्टार्टअप इकोसिस्टम के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा, स्टार्टअप इंडिया हब पोर्टल और भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री (बीएचएएसकेएआर) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म संसाधनों और स्टार्टअप इकोसिस्टम सहयोग तक आसान पहुंच को सक्षम बनाते हैं।

इन उपायों को नियामक सुधारों और अन्य इकोसिस्टम विकास कार्यक्रमों और कार्यक्रमों द्वारा पूरक बनाया जाता है।

सरकार ने भारत में उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र के हितधारकों के लिए एक साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 'स्टार्टअप इंडिया' पहल के तहत 'स्टार्टअप इंडिया हब' पोर्टल भी लॉन्च किया।

इसके अलावा, केंद्र ने उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर प्रमुख हितधारकों के बीच सहयोग को केंद्रीकृत, सुव्यवस्थित रखने के लिए बीएचएएसकेएआर लॉन्च किया है, जो गैर–मेट्रो शहरों और क्षेत्रों के स्टार्टअप और उद्यमियों को बड़े स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र से जुडने में सक्षम बना रहा है।

वेस्टइंडीज में अगले साल तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा आस्ट्रेलिया : निक हाकली

एडिलेड, 7 दिसंबर। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के सीईओ निक हॉकली ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम अगले साल जून–जुलाई में वेस्टइंडीज के दौरे पर तीन टेस्ट मैच खेलेगी, जबकि पहले यह तय था कि केवल दो मैच होंगे। नई विश्व टेस्ट चौंपियनशिप साइकिल के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया को वेस्टइंडीज में सिर्फ दो टेस्ट खेलने थे।लेकिन हॉकली ने बताया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और क्रिकेट वेस्टइंडीज ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज कराने का फैसला किया है। इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच हुई दो टेस्ट मैचों की सीरीज 1–1 से ड्रॉ रही थी। ऑस्ट्रेलिया 2015 के बाद पहली बार वेस्ट इंडीज में टेस्ट सीरीज खेलने जाएगा। उस समय ऑस्ट्रेलिया ने डोमिनिका और जमैका में दोनों टेस्ट जीते थे।हॉकली ने कहा, मुझे खुशी है कि अब तीन टेस्ट मैच खेले जाएंगे। हालांकि वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड से तारीखों और स्थानों को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा का इंतजार है, लेकिन यह निश्चित रूप से तीन मैचों की बड़ी सीरीज होगी, जैसी होनी चाहिए।उन्होंने आगे कहा, विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के नियमों के अनुसार हमें कम से कम दो मैच खेलने थे। लेकिन खिलाडियों और प्रशंसकों के लिए तीन मैच बेहतर है, क्योंकि दो मैचों की सीरीज में 1–1 की स्थिति से कोई संतुष्ट नहीं होता।जब उनसे पूछा गया कि क्या इन तीन मैचों में से कोई एक पिंक बॉल डे–नाइट टेस्ट होगा, तो उन्होंने कहा, यह अभी तय नहीं हुआ है। समय आने पर जानकारी दी जाएगी।शुक्रवार को एडिलेड टेस्ट के दौरान अंतिम सत्र में दो बार लाइट्स बंद होने की घटना पर उन्होंने कहा, यह स्विचिंग का मामला था। हमें भरोसा दिलाया गया है कि अब यह दोबारा नहीं होगा।इसके अलावा, हॉकली ने चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के बारे में बात करते हुए कहा कि मौजूदा हालातों में हाइब्रिड मॉडल ही समझदारी भरा फैसला लगता है। बता दें कि यह टूर्नामेंट पाकिस्तान में होना प्रस्तावित है लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान नहीं जा रही है। दोनों देशों के बीच किसी तरह का द्विपक्षीय क्रिकेट भी नहीं होता है। इस वजह से चौंपियंस ट्रॉफी के शेड्यूल और जगह के निर्धारण पर फैसला रुका रहा है।

भारत ने 10 वर्षों में कुल निर्यात में 67 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि की हासिल

नई दिल्ली, । वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की मांग में वृद्धि के कारण देश का कुल निर्यात वित्त वर्ष 2023–24 में लगभग 778 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जबकि त्ति वर्ष 2013–14 में यह 466 बिलियन डॉलर था, जो कि 67 प्रतिशत की शानदारी वृद्धि को दर्शाता है।केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि विश्व वस्तु निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 1.66 प्रतिशत से बढकर 1.81 प्रतिशत हो गई है और देश 20वें स्थान से 17वें स्थान पर पहुंच गया है।यह उपलब्धि सरकार द्वारा निर्यात वृद्धि को बनाए रखने और निर्यात को तेज करने के लिए कई पहलों को लागू करने के कारण हासिल हुई है।नीति आयोग ट्रेड वॉच की रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान देश के व्यापार प्रदर्शन ने स्थिरता और मध्यम वृद्धि प्रदर्शित की।रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की पहली छमाही में भारत का कुल व्यापार 2023 की तुलना में 5.45 प्रतिशत बढकर 576 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया।माल के आयात में लगातार वृद्धि देखी गई, वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही (अप्रैल–जून) में निर्यात 5.95 प्रतिशत बढकर 110 बिलियन डॉलर और आयात 8.40 प्रतिशत बढकर 173 बिलियन डॉलर हो गया, जिससे व्यापार असंतुलन बढ़ रहा है।वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में, भारतीय लोहा और इस्पात निर्यात में 33 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई, जिसका मुख्य कारण कमजोर घरेलू मांग और चीन में अतिरिक्त क्षमता थी,।

भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती के कारण एफआईआई की लगातार बिकवाली का दौर थमा

नई दिल्ली, 7 दिसंबर। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने अपनी रणनीति में स्पष्ट बदलाव करते हुए खरीदार का रुख अपनाया है। बाजार पर नजर रखने वालों ने शनिवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में भू–राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद मजबूती बनी हुई है, जिससे एफआईआई की लगातार बिकवाली का दौर खत्म हो गया है।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, इस महीने (6 दिसंबर तक) एफआईआई ने 24,453 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसमें विभिन्न एक्सचेंज से इक्विटी में 17,921 करोड़ रुपये और प्राथमिक बाजार के जरिए शेष निवेश शामिल है।

बाजार के जानकारों ने कहा कि दिसंबर की शुरुआत में एफआईआई के खरीदार बनने से बाजार की धारणा बदल गई है। पिछले दो महीनों के दौरान एफआईआई ने लगातार बिकवाली की रणनीति को पूरी तरह से पलट दिया है।

अक्टूबर में विभिन्न एक्सचेंज के जरिए एफआईआई ने 1,13,858 करोड़ रुपये की कुल बिकवाली की थी। नवंबर में यह राशि घटकर 39,315 करोड़ रुपये रह गई।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के सिद्धार्थ खेमका के अनुसार, एफआईआई ने दिसंबर की शुरुआत सकारात्मक तरीके से की है, जिससे बाजार की धारणा को काफी बढ़ावा मिला है।

उन्होंने कहा, अगले सप्ताह, हमें उम्मीद है कि निफ्टी में धीरे–धीरे तेजी जारी रहेगी, जो आरबीआई द्वारा सीआरआर में कटौती के बाद लिक्विडिटी में वृद्धि, सरकारी नीतियों के बारे में सकारात्मक समाचारों और एफआईआई प्रवाह की वापसी से प्रेरित है।

एफआईआई रणनीति में बदलाव स्टॉक प्राइस मूवमेंट विशेष रूप से बड़े–कैप बैंकिंग स्टॉक में नजर आ रहा है, जिनमें एफआईआई विक्रेता रहे हैं।जानकारों ने कहा कि इस सेगमेंट में आगे बढने की गुंजाइश है क्योंकि यह उचित मूल्य पर है और उचित गति से बढ़ रहा है।

एफआईआई ने धीमी वापसी का संकेत दिया है। अक्टूबर और नवंबर में देखे गए लगातार बिकवाली के दबाव के बाद यह एक बड़ी राहत है। भारी एफआईआई बिकवाली के बावजूद, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के प्रवाह ने पिछले दो महीनों में बाजार को बचाए रखा।इस बीच, आठ सप्ताह में पहली बार भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में मामूली 1.51 बिलियन डॉलर की वृद्धि हुई और 29 नवंबर को (आखिरी सप्ताह) ये 658.091 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।